The Public Hub

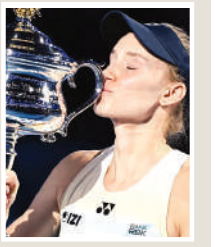

पेज 7 | स्पोर्ट्स

वर्ष 1 अंक : 1 ₹ 4.00 पृष्ठ-8

www.thepublichub.in | जयपुर बुधवार 4 फरवरी, 2026

कलश यात्रा से गूंजा देवनगर, 2100 महिलाओं... | 3

रक्षा पर फोकस, सस्ती दवाई, 789 नए हॉस्टल में गर्ल्स करेंगी पढ़ाई

■ इतिहास में पहली बार रविवार को पेश किया बजट ■ भारत का रक्षा बजट 7.85 लाख करोड़ रुपए हुआ ■ 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा ■ टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं, रिवाइज रिटर्न के लिए समय मिला ■ सौर ऊर्जा पैनल और कैंसर की दवाइयों पर ड्यूटी खत्म ■ तीन नए आयुर्वेदिक एम्स बनेंगे ■ लघु एवं सूक्ष्म उद्योग को बढ़ावा, बड़े फंड की घोषणा ■ 15,000 सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में गेमिंग, एनीमेशन और डिजिटल कंटेंट तैयार करना सिखाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आजाद भारत के इतिहास में रविवार के दिन पहला बजट पेश हुआ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में अपना नौवां केंद्रीय बजट पेश किया, जिसमें अमेरिकी टैरिफ के खिलाफ भारतीय निर्यात को मजबूती देने, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। हालांकि, मिडिल क्लास को टैक्स में राहत की उम्मीद लगाई गई थी लेकिन बजट में ऐसा कुछ नहीं किया गया है। बजट 2026-27 में कुल 52.65 लाख करोड़ रुपए का खर्च प्रस्तावित किया गया है, जिसमें रिकॉर्ड 12.22 लाख करोड़ रुपये का कैपिटल एक्सपेंडिचर शामिल है।

बजट की सबसे बड़ी ताकत फिस्कल डिसिप्लिन है। वित्त मंत्री ने अगले वित्त वर्ष के लिए फिस्कल डेफिसिट को जीडीपी के 4.3 फीसदी पर रखने का लक्ष्य रखा है, जो चालू वर्ष के 4.4 फीसदी से कम है। यह 2021-22 में दिए गए वादे को पूरा करते हुए 4.5 फीसदी से नीचे लाने का लक्ष्य हासिल करने के बाद की निरंतरता है। डेब्ट-टू-जीडीपी रेशियो भी घटकर 55.6 फीसदी पर आ गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट पेश करते हुए कहा कि सरकार का मकसद आम लोगों की जरूरतें पूरी करना और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है। बजट में 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर और 3 आयुर्वेदिक एम्स बनाने का भी ऐलान किया गया है। कपड़े, लेदर आइटम, सिंथेटिक फुटवियर, चमड़े के उत्पाद, कैंसर-शुगर की 17 दवाएं ड्यूटी फ्री की गई है। बीड़ी, लिथियम आयन सेल, मोबाइल बैटरियां होंगी सस्ती, सोलर ग्लास होंगे सस्ते, मिक्स्ड गैस सीएनजी, ईवी, माइक्रोवेव ओवन, विमानों का ईंधन, विदेश यात्रा सस्ती होगी। शराब, स्क्रैप और महंगे होने वाले हैं शेयर बाजार के निवेशकों के लिए बुरी खबर है। स्टॉक ऑप्शन और फ्यूचर्स ट्रेडिंग पर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स यानि एसटीटी को 0.02 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत कर दिया गया है। इसका असर यह हुआ कि निवेशकों के 8 लाख करोड़ रुपए डूब गए। इंकम टैक्स में गलत जानकारी देने वालों पर जुर्माना अब सौ प्रतिशत होगा।

बजट एक नजर

- इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं। रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने का ज्यादा समय यानी अब 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल कर सकते हैं।
- 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा। इनमें मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलिगुड़ी।
- मेडिकल टूरिज्म को बढ़ाने के लिए 5 मेडिकल हब भी बनेंगे।
- विमान और एयरो इंजन डेवलपमेंट के लिए 64 हजार करोड़ और नौसेना बेड़े के लिए 25 हजार करोड़ रुपए दिए गए हैं। पेंशन के लिए 1.71 लाख करोड़ अलग रखे गए हैं।
- आयुर्वेदिक दवाइयों की टेस्टिंग के नेशनल लैब्स बनाई जाएंगी। भारत को ग्लोबल लेवल पर बायोफार्मा प्रोडक्ट के उत्पादन का हब बनाया जाएगा। अगले पांच साल में एक लाख स्पेशलिस्ट हेल्थकेयर प्रोफेशनल तैयार होंगे। इसके लिए 10,000 करोड़ के निवेश होगा।
- लखपति दीदी की तर्ज पर महिला स्वयं सहायता समूह की उद्यमी महिलाओं के लिए शी-मार्ट बनाए जाएंगे। इनको महिलाओं के स्वयं सहायता समूह चलाएंगे। महिलाओं के बनाए खाद्य पदार्थ, हस्तशिल्प, कपड़े और उत्पाद सीधे बेचे जाएंगे। महिलाओं को अपने कारोबार पर मालिकाना हक मिलेगा।
- सरकार ने लिथियम-आयन बैटरी बनाने वाली मशीनों पर टैक्स छूट का दायरा बढ़ा दिया है। अब बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए इस्तेमाल होने वाले सामान पर भी ड्यूटी नहीं लगेगी। इससे इलेक्ट्रिक व्हीकल सस्ते होंगे। वहीं, सोलर ग्लास बनाने में इस्तेमाल होने वाले सोडियम एंटीमोनेट पर भी ड्यूटी हटा दी गई है, जिससे देश में सोलर पैनल बनाना सस्ता होगा।
- केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में दुर्लभ खनिजों के लिए विशेष कॉरिडोर बनाए जाएंगे। आंध्र प्रदेश को भी जोड़ा जाएगा ताकि खनिज संपन्न राज्यों को फायदा मिले। रेयर अर्थ मटेरियल का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक गाड़ियों की मोटर बनाने में इस्तेमाल किया जाता है।
- नारियल प्रोत्साहन योजना से करीब 3 करोड़ लोगों को जोड़ा जाएगा। मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए 500 तालाबों और अमृत सरोवरों का विकास किया जाएगा। राज्यों के साथ मिलकर भारतीय चंदन उद्योग तंत्र को फिर से स्थापित किया जाएगा। काजू-कोको को दुनिया में पहचान दिलाने का टारगेट है।
- नेशनल हैंडलूम पॉलिसी से कारीगरों को प्रोत्साहन और मदद देने की तैयारी है। मेगा टेक्सटाइल पार्क बनाए जाएंगे। एडवांस्ड फाइबर के लिए टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन का सिस्टम तैयार किया जाएगा। खादी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोडक्शन, ट्रेनिंग और मार्केटिंग पर जोर होगा। वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट को बढ़ावा दिया जाएगा।
- 20 पर्यटन स्थलों पर 10, हजार गाइड्स को ट्रेनिंग दी जाएगी। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में ऐसे रास्ते बनाए जाएंगे जो ट्रेकिंग और हाइकिंग के लिए आसान हों।

औद्योगिक जगत की बल्ले-बल्ले

बजट में औद्योगिक क्षेत्र को सबसे ज्यादा तवज्जो दी गई है। वित्त मंत्री सीतारमण ने अपने बजट भाषण के दौरान लघु एवं सूक्ष्म उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बड़े फंड की घोषणा की। सरकार ने 10,000 करोड़ एमएसएमई ग्रोथ फंड के लिए आवंटित किए हैं। आत्मनिर्भर भारत कोष में अतिरिक्त 2000 करोड़ डाले जाएंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विस सेक्टर के लिए 40,000 करोड़ रुपए खर्च करने का ऐलान किया गया है।

कृषि क्षेत्र के लिए नई उम्मीदें

सरकार ने खाद पर दी जाने वाली सब्सिडी को भी थोड़ा कम किया है, लेकिन किसानों को खाद सस्ती मिलती रहेगी। अगले साल खाद पर 1.70 लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे। पशुपालन, मछली पालन और नारियल, चंदन, काजू जैसी उच्च मूल्य फसलों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है, ताकि किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। हाई-वैल्यू फसलों के समर्थन के लिए कोकोनट प्रोत्साहन योजना की मदद से 1 करोड़ किसानों और 3 करोड़ लोगों की मदद की जाएगी। भारतीय काजू और कोको को 2030 तक प्रीमियम ग्लोबल ब्रांड बनाया जाएगा। कृषि क्षेत्र में भारत विस्तार एआई की शुरुआत की गई है, जो किसानों को स्थानीय भाषा में फसल संबंधी जानकारी-मंडी भाव उपलब्ध कराएगा। ग्रामीण महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए सेल्फ हेल्प मार्ट्स शुरू किए जाएंगे, जो महिलाओं को उद्यमों की मालिक बनने में मदद करेंगे।

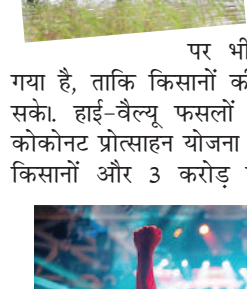

शहरी क्षेत्रों का विकास

शहरी क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार सिटी इकोनॉमिक रीजन्स पर फोकस करेगी। टियर-2 और टियर-3 शहरों को मजबूत करने के लिए हर क्षेत्र के लिए पांच साल में 5,000 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने के लिए 10,000 करोड़ की योजना कंटेनर निर्माण के पारिस्थितिक तंत्र को विकसित करने के लिए शुरू की जाएगी।

टेक्सटाइल्स इंडस्ट्री को बूस्ट

बजट में टेक्सटाइल्स इंडस्ट्री के लिए तगड़ी घोषणाएं की है। लेबर-इंटेंसिव टेक्सटाइल सेक्टर के लिए एक मज़बूत पॉलिसी पर ज़ोर दिया गया है, जिसका मकसद आत्मनिर्भरता, रोज़गार, इनोवेशन और ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस को बढ़ावा देना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार चैलेंज मोड में मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित करने जा रही है। ये मेगा टेक्सटाइल पार्क टेक्निकल टेक्सटाइल में भी वैल्यू एडिशन लाने पर भी ध्यान दे सकते हैं।

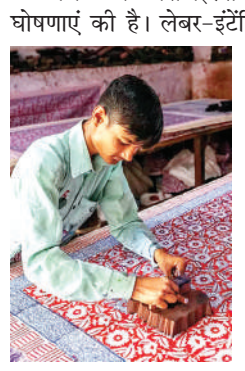

मेंटल हेल्थ पर भी फोकस

सीतारमण ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय टेली-मेंटल हेल्थ प्रोग्राम शुरू करेगी, जिसके जरिए लोगों को फोन और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य परामर्श मिलेगा। इस पूरे प्रोग्राम को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने की जिम्मेदारी आईआईटी बेंगलुरु को दी जाएगी। वित्त मंत्री ने बताया कि बेंगलुरु स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज को अब नेशनल लेवल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में और मजबूत किया जाएगा। इसके तहत उत्तर भारत में एनआईएमएचएएनएस 2.0 की स्थापना की जाएगी ताकि देश के बड़े हिस्से को बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

विदेश में पढ़ाई-इलाज हुआ सस्ता

सरकार ने विदेश में शिक्षा और इलाज के लिए पैसे भेजने वालों के लिए टीसीएस की दर 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत कर दी गई है। विदेशी टूर पैकेज पर भी अब एक समान 2 प्रतिशत टीसीएस लगेगा यानी विदेश में यदि इलाज, पढ़ाई या घूमने पर कोई भारतीय पैसा खर्च करता है तो उस पर अब कम टीसीएस देना होगा। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विदेशी खर्च पर टैक्स कम होने से मध्यम वर्ग के परिवारों को अपनी वित्तीय योजना बनाने में आसानी होगी।

ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा

वित्त मंत्री ने ई-स्पोर्ट्स को एक प्रोफेशनल खेल के रूप में और मजबूती देने के संकेत दिए हैं। बजट में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 12.2 लाख करोड़ का आवंटन किया गया है।

अब भारतीय ई-स्पोर्ट्स एथलीट्स बिना किसी टेक इंट्रप्शन के इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स में मुकाबला कर सकेंगे। बजट में देश के 15,000 सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स खोले जाने की भी घोषणा की गई है। इनका मकसद है युवाओं को गेमिंग, एनीमेशन और डिजिटल कंटेंट तैयार करना सिखाना।

कैंसर की दवाएं ड्यूटी फ्री

स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार ने बायोफार्मा शक्ति की घोषणा करते हुए 10,000 करोड़ का निवेश किया है, ताकि भारत वैश्विक बायोफार्मा निर्माण का हब बन सके। इसमें 3 नए और 7 मौजूदा राष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों को अपग्रेड किया जाएगा। कैंसर के मरीजों के लिए बड़ी राहत की खबर है कि 17 दवाओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को हटा दिया गया है। इसके अलावा डाइबिटिज सहित 7 दुर्लभ बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं पर भी आयात शुल्क से छूट दी गई है।

सीमाएं सुरक्षित देश सुरक्षित

बीते साल में ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेते हुए बजट में राष्ट्रीय सुरक्षा को दृढ़ करने के लिए रक्षा मंत्रालय को 7.85 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड आवंटन किया गया है, जो कुल बजट का 14.68 प्रतिशत है।

यह पिछले साल के 6.81 लाख करोड़ रुपए की तुलना में काफी अधिक है। इसमें सेना के आधुनिकीकरण पर सरकार का फोकस दिखा है। सेना के आधुनिकीकरण के लिए पूंजीगत व्यय 1.80 लाख करोड़ से बढ़ाकर 2.19 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया है।

पर्यटन क्षेत्र को भी बढ़ावा

हेरिटेज और कल्चर को बढ़ावा देने के लिए 14 आर्कियोलॉजिकल साइट्स को टूरिज्म के तौर पर डिवेलप करने की बात की। 15 पुरातात्विक स्थलों का जिक्र किया। पूर्वोत्तर क्षेत्र में 4,000 ई-बसें चलाई जाएंगी और वहां 5 बौद्ध स्थलों को विकसित किया जाएगा। राखीगढ़ी, लोथल, सारनाथ, हस्तिनापुर, धोलावीरा जैसे स्थलों का जिक्र किया। अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बौद्ध सर्किट के विकास की योजना भारत को ग्लोबल स्पिरिचुअल टूरिज्म हब बना सकती है।

क्यों ज़रूरी है सच्ची पत्रकारिता?

सूचनाओं की इस अति-भीड़ में आज सबसे बड़ा संकट सत्य का है। हर क्षण खबरें हैं पर भरोसा नहीं, शोर है पर सरोकार नहीं, मंच हैं पर सच्ची बात नहीं, जोर है पर ज़मीर नहीं! ऐसे समय में जब पत्रकारिता का एक बड़ा हिस्सा सत्ता, पूँजी और सनसनी खेज खबरों के त्रिकोण में उलझता जा रहा है, तब एक निर्भीक, राष्ट्रहितकारी, न्यायवादी और कर्तव्यनिष्ठ समाचार पत्र का जन्म केवल एक प्रयास नहीं, बल्कि समय की पुकार है।

पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है यह कथन केवल नारा नहीं,बल्कि जिम्मेदारी है कर्त्तव्य है। पत्रकारिता का धर्म है सत्ता से सवाल पूछना, व्यवस्था को आईना दिखाना और समाज की आवाज़ को मजबूती देना लेकिन आज जब प्रश्न पूछना अपराध समझा जाने लगा है और सच बोलना जोखिम बन गया है, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि सच्ची पत्रकारिता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक वर्तमान में है।

आज कई मंचों पर राष्ट्रहित राजनीति का शिकार हो गई है भ्रष्टाचार, अपराध, रिश्वतखोरी, भाई-भतीजावाद और अन्याय के मुद्दे अक्सर दबा दिए जाते हैं या तोड़े-मरोड़े जाते हैं। ऐसे माहौल में वही पत्रकारिता प्रासंगिक है, जो न किसी के दबाव से डरे, न किसी के प्रलोभन में बिके और न किसी राजनीतिक एजेंडे का औज़ार बने।

राष्ट्रहित का अर्थ सत्ता-समर्थन नहीं, बल्कि राष्ट्र के नागरिकों के हितों की निर्भीक रक्षा है। किसान, श्रमिक, युवा, महिला, वंचित वर्ग की आवाज़ को प्राथमिकता देना ही पत्रकारिता की सच्ची कसौटी है।

न्यायपालिका, संविधान और समाज के प्रति उत्तरदायित्व : एक जिम्मेदार समाचार पत्र का दायित्व है समाचार पत्र केवल सरकार तक सीमित नहीं होता। वह न्यायपालिका के सम्मान, संविधान की गरिमा और समाज में न्याय की चेतना को भी सुदृढ़ करता है। तथ्यपरक रिपोर्टिंग, संतुलित विश्लेषण और निर्भीक संपादकीय के माध्यम से हमारी पत्रकारिता अन्याय के विरुद्ध खड़ी रहेगी, बिना भय, बिना पक्षपात।

'द पब्लिक हब' एक समाचार पत्र नहीं, एक संकल्प पत्र है! **'द पब्लिक हब'** इसी संकल्प के साथ आपके सामने है। यह केवल खबरें देने का मंच नहीं, बल्कि सच बोलने की प्रतिबद्धता है। **'द पब्लिक हब'** स्पष्ट करता है कि समाज, राष्ट्र, न्यायपालिका और हमारी संस्कृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएगा, सत्ता से पूछेगा सवाल और जनता की बनेगा आवाज़! हर प्रकार के दबाव, भय व समझौते से दूर रहकर सच्ची पत्रकारिता करेगा। लुप्त होती परंपराएँ, संस्कृति और धरोहरें हमारी साझा जिम्मेदारी हैं!

राष्ट्र केवल राजनीतिक घटनाओं से नहीं बनता, बल्कि उसकी संस्कृति परंपरा, साहित्य, कला, खेल और ऐतिहासिक धरोहरें ही उसकी आत्मा होती हैं। आज यह आत्मा उपेक्षा, विस्मृति और बाजारवाद के दबाव में है।

'द पब्लिक हब' यह संकल्प लेता है कि वह हमारी लुप्त होती परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सामने लाएगा... साहित्य, कला और लोक- संस्कृति को मंच देगा, खेल प्रतिभाओं को पहचान और सम्मान दिलाएगा, नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य प्रखर रूप से करेगा। यह केवल समाचार पत्र नहीं होगा, यह संस्कृति को बचाने का अभियान होगा। हमारे सुधीजन पाठकों के लिए यह पहला संस्करण केवल अख़बार का पहला पन्ना नहीं है, यह एक घोषणा-पत्र है कि सच अब दबेगा नहीं, सवाल रुकेंगे नहीं, वंचित को न्याय मिलेगा और राष्ट्रहित से समझौता नहीं होगा। आज जब सच बोलने वाले मंच कम होते जा रहे हैं, **'द पब्लिक हब'** यह भरोसा देता है कि वह सच के साथ खड़ा रहेगा, संविधान के साथ चलेगा और राष्ट्र की चेतना को जागृत करेगा।

यही हमारी पत्रकारिता है, यही हमारा धर्म है।

- दीपक गोस्वामी, प्रबंध सम्पादक

कोशिश यही है कि हर घर में लक्ष्मी जी पधारें : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट 2026 को ऐतिहासिक बताया, जिसमें नारी शक्ति और युवा सोच का सशक्त प्रतिबिंब है। इसमें देश की नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब झलकता है। पीएम मोदी ने कहा, ये बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है। ये युवा शक्ति का बजट है। उन्होंने कहा, इस बजट से आत्मनिर्भर भारत को उड़ान मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, देशभर में वाटर वेज का विस्तार, हाई स्पीड रेल कॉरिडोर, टियर 2 और टियर 3 शहरों के विकास पर विशेष ध्यान और शहरों को मजबूत आर्थिक आधार देने के लिए म्युनिसिपल बांड्स को बढ़ावा, ये सारे कदम विकसित भारत की यात्रा की गति को और तेज करेंगे।

भजनलाल सरकार का बड़ा कदम

अन्नदाता अब बनेगा ऊर्जादाता : राजस्थान में सोलर पंप पर मिल रही है 90% तक की भारी सब्सिडी

प्रदेश के लाखों किसानों को दिन में मिलेगी निर्बाध बिजली, डीजल के खर्च से मिलेगी मुक्ति

जयपुर (मुख्य संवाददाता)। राजस्थान की भजनलाल सरकार प्रदेश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'मुख्यमंत्री किसान ऊर्जा योजना' (सोलर पंप योजना) को मिशन मोड पर आगे बढ़ा रही है। राजस्थान की भौगोलिक स्थिति और प्रचुर धूप को देखते हुए सरकार किसानों को डीजल पंपों और महंगी बिजली से छुटकारा दिलाने के लिए भारी सब्सिडी प्रदान कर रही है। इस योजना के तहत किसान अपने खेतों में 3 ॥क्क से लेकर 10 ॥क्क तक के सोलर पंप स्थापित कर सकते हैं।

सब्सिडी का गणितः किसानों को नाममात्र का निवेश

योजना के तहत सोलर पंप की स्थापना पर केंद्र और राज्य सरकार मिलकर बड़ी राहत दे रही हैं-

सामान्य श्रेणी: किसानों को सोलर पंप की बेंचमार्क लागत पर 60% तक का अनुदान दिया जा रहा है।

स्ष्ट/स्ज्ञ वर्ग के लिए विशेष छूट- अनुसूचित जाति और जनजाति के किसानों को राजस्थान सरकार द्वारा 45,000 रुपये का अतिरिक्त अनुदान दिया जा रहा है, जिससे उनकी प्रभावी सब्सिडी और अधिक हो जाती है।

किसान का हिस्सा-अधिकांश मामलों में किसान को कुल लागत का केवल 10% हिस्सा ही जमा करना होता है, शेष राशि सरकार वहन करती है।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं : दिन में बिजली-सिंचाई के लिए अब रात के अंधेरे में खेतों में जाने की जरूरत नहीं, सूरज की रोशनी से दिन में होगा काम। शून्य बिजली बिल-एक बार स्थापना के बाद अगले 20-25 वर्षों तक बिजली का कोई खर्च नहीं।

पर्यावरण संरक्षण-डीजल की खपत कम होने से प्रदूषण में कमी और कार्बन फुटप्रिंट में गिरावट। रखरखाव-पारंपरिक पंपों की तुलना में सोलर पंप का मेंटेनेंस बेहद कम है।

पात्रता और आवश्यक दस्तावेज-योजना का लाभ लेने के लिए किसान के पास स्वयं की कृषि भूमि और सिंचाई का जल स्रोत (जैसे बोरवेल या पोंड) होना अनिवार्य है।

कैसे करें आवेदन?

इच्छुक किसान राजस्थान सरकार के आधिकारिक 'राज किसान साथी पोर्टल' (rajkisan.rajasthan.gov.in) पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा नजदीकी ई-मित्र केंद्र के माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है। आवेदन 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर स्वीकार किए जा रहे हैं।'मुख्यमंत्री का विजन किसानों की आय दोगुनी करना है। सोलर पंप योजना न केवल खेती की लागत कम करेगी, बल्कि राजस्थान को हरित ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाएगी।

मुख्यमंत्री शर्मा के फोन के बाद 120 मिनट में हुआ समस्या का समाधान

जयपुर। राजस्थान में 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प और सुशासन की एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने न केवल प्रशासनिक कार्यकुशलता को साबित किया है, बल्कि आमजन का सरकार पर भरोसा भी मजबूत किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता के चलते डूंगरपुर के एक परिवादी को मात्र 2 घंटे के भीतर वह राहत मिल गई, जिसके लिए वह प्रतीक्षारत था।

जब स्वयं मुख्यमंत्री ने मिलाया परिवादी को फोन-प्रदेश में पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इन दिनों स्वयं संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने डूंगरपुर के साबला तहसील अंतर्गत बोडीगाम छोटा निवासी जितेन्द्र सिंह को फोन किया।

संवाद के दौरान जितेन्द्र सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने बच्चों, संयम एवं क्रिया के मूल निवास तथा जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। प्रक्रिया में हो रही देरी से परेशान होकर उन्होंने संपर्क पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। मुख्यमंत्री ने परिवादी को आश्वस्त करते हुए तत्काल राहत दिलाने का भरोसा दिलाया।

एक्शन मोड में प्रशासन-3 बजे सूचना, 5 बजे समाधान। मुख्यमंत्री कार्यालय से निर्देश मिलते ही जिला प्रशासन डूंगरपुर पूरी तरह सक्रिय हो गया। अपराह्न 3:00 बजे-जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह को मुख्यमंत्री कार्यालय से प्रकरण के संबंध में निर्देश प्राप्त हुए।

तत्परता-जिला कलेक्टर ने तुरंत संबंधित तहसील और राजस्व अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर दस्तावेज सत्यापन के निर्देश दिए। शाम 5:00 बजे-रिकॉर्ड समय में प्रक्रिया पूरी कर दोनों बच्चों के मूल निवास और जाति

प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए।

आमजन का बढ़ा विश्वास-मात्र 2 घंटे में सरकारी तंत्र की यह सक्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है। परिवादी जितेन्द्र सिंह ने भावुक होते हुए कहा, 'यह अकल्पनीय है कि एक मुख्यमंत्री स्वयं फोन कर समस्या सुनें और प्रशासन चंद घंटों में समाधान कर दे। यह वास्तव में जनता की सरकार होने का प्रमाण है।' यह मामला प्रदेश के अन्य विभागों के लिए भी एक नजीर है कि यदि इच्छाशक्ति हो, तो 'रेड टेपिज्म' को खत्म कर जनता को हाथों-हाथ राहत दी जा सकती है।

ईसरदा-दौसा परियोजना

35 लाख लोगों की बुझेगी प्यास

4,058 करोड़ से बदलेगी दौसा और सवाई माधोपुर की सूरत

जयपुर/दौसा। राजस्थान के सूखे कंठों को राहत देने के लिए भजनलाल सरकार ने 'ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना' के कार्यों में गति ला दी है।

जल जीवन मिशन (JJM) के तहत निर्माणाधीन इस महत्वाकांक्षी परियोजना से दौसा और सवाई माधोपुर जिलों के 1,256 गांवों और 6 कस्बों की तस्वीर बदलने वाली है। लगभग 4,058 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से क्षेत्र की 35 लाख आबादी को सीधे तौर पर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। छह पैकेजों में बंटा है विकास का खाका-परियोजना के सुचारू क्रियान्वयन के लिए इसे छह अलग-अलग पैकेजों में विभाजित किया गया है, जिनका कार्य युद्ध स्तर पर जारी है।

पैकेज क्षेत्र/क्लस्टर मुख्य कार्य और प्रगति

प्रथम ट्रांसमिशन लाइन 341 किमी पाइपलाइन का लक्ष्य; 286 किमी पूर्ण। ईसरदा व बगड़ी में स्वच्छ जलाशय निर्माण।

द्वितीय ईसरदा बांध इन्टेक वैल और पम्प हाउस का निर्माण कार्य प्रगति पर (लागत 17.82 करोड़) तृतीय (अ) लालसोट क्लस्टर 302 गांवों और लालसोट शहर को 33,460 कनेक्शन से जोड़ने का कार्य।

तृतीय (ब) दौसा क्लस्टर 248 गांवों और दौसा शहर की 1.79 लाख आबादी को लाभ मिलेगा।

चतुर्थ बसवा व सिकराय 2,077 किमी पाइपलाइन बिछाने का कार्य; 1,666 किमी बिछाई जा चुकी है।

पंचम-षष्टम महुआ व सवाई माधोपुर में हुआ, बौंली, चौथ का बरवाड़ा और मलारना डूंगर में पाइपलाइन और जलाशयों का निर्माण।

आधुनिक बुनियादी ढांचा और भविष्य का लक्ष्य-इस परियोजना के तहत न केवल पाइपलाइन बिछाई जा रही है, बल्कि GIS आधारित मैपिंग और उच्च जलाशयों का जाल बिछाया जा रहा है। ईसरदा बांध पर बनने वाला पंप हाउस और विशाल फिल्टर प्लांट इस परियोजना की रीढ़ होंगे।

किसानों और पशुपालकों को होगा सीधा लाभ-राजस्थान में पेयजल का संकट पशुपालन और कृषि को भी प्रभावित करता है।

सरकार के अनुसार, जब पीने के पानी की समस्या का स्थायी समाधान होगा, तो स्थानीय जल स्रोतों का उपयोग कृषि और पशुपालन के लिए बेहतर ढंग से किया जा सकेगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और महिलाओं को पानी के लिए लंबी दूरी तय करने से मुक्ति मिलेगी।

मुख्यमंत्री का संकल्प : 'हमारा लक्ष्य हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुँचाना है। ईसरदा-दौसा परियोजना न केवल प्यास बुझाएगी बल्कि विकास के नए मार्ग भी खोलेगी।'

फास्टैग यूजर्स को मिलेगी बड़ी राहत

अब नहीं पड़ेगी 'केवाईसी' की जरूरत, टोल प्लाजा पर यात्रा होगी और भी सुगम

1 फरवरी से कार, जीप और वैन मालिकों को फोटो और अतिरिक्त वेरिफिकेशन से मिली मुक्ति

नई दिल्ली/जयपुर। (मुख्य संवाददाता)। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने देश के करोड़ों वाहन चालकों को आज 1 फरवरी 2026 से एक बड़ी सौगात दी है।

अब निजी वाहनों (कार, जीप और वैन) के लिए फास्टैग जारी होने के बाद की जाने वाली अनिवार्य 'नो योर व्हीकल' (Know Your Vehicle - KYV) प्रक्रिया को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है।

इस बदलाव से अब टोल प्लाजा पर तकनीकी कारणों से लगने वाली कतारों और टैग ब्लैकलिस्ट होने की समस्या से निजात मिलेगी।

क्या है नया बदलाव

पुराने नियमों के तहत, फास्टैग जारी होने के बाद वाहन मालिकों को गाड़ी के आगे, पीछे और साइड की तस्वीरें पोर्टल पर अपलोड करनी पड़ती थीं। इसके बिना टैग अक्सर इनएक्टिव या ब्लैकलिस्ट हो जाता था।

अब NHAI ने इस 'पोस्ट-एक्टिवेशन' झंझट को खत्म कर दिया है। अब टैग जारी होते ही तुरंत उपयोग के लिए वैध माना जाएगा।बैंकों पर होगी सत्यापन की जिम्मेदारीनए निर्देशों के अनुसार, अब सत्यापन की पूरी जिम्मेदारी फास्टैग जारी करने वाले बैंकों की होगी।

वाहन डेटाबेस-बैंक टैग जारी करने से पहले ही सरकारी 'वाहन' पोर्टल के जरिए गाड़ी के विवरण की जांच करेंगे।

त्वरित एक्टिवेशन

यदि डेटाबेस में जानकारी उपलब्ध नहीं है, तो बैंक ऋष्ट के माध्यम से पुष्टि करेंगे। इसके बाद ग्राहकों को दोबारा कोई दस्तावेज या फोटो देने की जरूरत नहीं होगी।

प्रमुख बदलाव और उनके फायदे बदलाव (Changes) वाहन मालिकों को फायदा (Benefits) पोस्ट-वेरिफिकेशन खत्मअब एक्टिवेशन के बाद फोटो अपलोड करने का झंझट नहीं। तुरंत उपयोगटैग मिलते ही गाड़ी टोल पर दौड़ने के लिए तैयार होगी। नो ब्लैकलिस्ट डरवेरिफिकेशन पेंडिंग होने के कारण टैग बंद होने का डर खत्म। सिर्फ गड़बड़ी पर जांच दुरुपयोग या गलत टैग की शिकायत होने पर ही KYV होगा। किसे मिलेगी राहत और किसे नहीं? NHAI ने स्पष्ट किया है कि यह विशेष छूट केवल निजी वाहनों (कार, जीप और वैन) के लिए ही लागू है।

कमर्शियल वाहनों (जैसे बस, ट्रक और टैक्सी) के लिए पहले की तरह ही वेरिफिकेशन प्रक्रिया और नियम प्रभावी रहेंगे।

'सरकार का विजन टोल प्लाजा को 'स्टॉप-फ्री' बनाना है। नया नियम डिजिटल बाधाओं को दूर कर आम जनता के सफर को सुगम और समय की बचत करने वाला बनाएगा।'

— एनएचएआई अधिकारी

बजट 2026: विकसित भारत की महा-तैयारी

इंफ्रा पर 12.2 लाख करोड़ की 'बूस्टर डोज़'

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में अपना लगातार नौवां बजट (अंतरिम सहित) पेश कर इतिहास रच दिया। 'विकसित भारत @2047' के संकल्प को साकार करने के लिए पेश किए गए इस बजट में सरकार ने 'सुधार एक्सप्रेस' की रफ्तार को और तेज कर दिया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत ने राजकोषीय अनुशासन का परिचय देते हुए घाटे का लक्ष्य घटाकर 4.3% कर दिया है, जो अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत है। बजट का मुख्य फोकस तीन स्तंभों पर रहा— आर्थिक वृद्धि, नागरिक आकांक्षाएं और समावेशी विकास। नया आयकर अधिनियम 2025: 6 दशक पुराना कानून होगा खत्म मध्यम वर्ग और करदाताओं के लिए सबसे बड़ी खबर 'नया आयकर अधिनियम 2025' है। वित्त मंत्री ने घोषणा की कि 1 अप्रैल, 2026 से 1961 का पुराना आयकर कानून खत्म हो जाएगा। नया कानून सरल, सुगम और आधुनिक होगा। हालांकि यह 'राजस्व-तटस्थ' (Revenue Neutral) रहेगा, लेकिन इसकी धाराओं को 50% तक कम कर दिया जाएगा, जिससे लिटिगेशन कम होंगे। अब संशोधित रिटर्न (Revised Return) भरने की समय सीमा 31 दिसंबर से बढ़ाकर 31 मार्च कर दी गई है।

विदेश जाना और पढ़ना हुआ सस्ता, लेकिन शेयर बाजार पर झटका मध्यम वर्ग को एक और बड़ी राहत देते हुए सरकार ने ओवरसीज टूर पैकेज और पढ़ाई-इलाज के लिए विदेश पैसे भेजने पर टीसीएस (ञ्चष्टस्) की दर 5-20% से घटाकर सीधे 2% कर दिया है। दूसरी तरफ, शेयर बाजार के निवेशकों को झटका लगा है। वायदा-विकल्प (F&O) पर प्रतिभूति लेनदेन कर (STT) को बढ़ाकर क्रमशः 0.05% और 0.15% कर दिया गया है।

7 नए हाई-स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) कॉरिडोर का ऐलान

इंफ्रास्ट्रक्चर : 7 बुलेट ट्रेन कॉरिडोर और रिकॉर्ड बजट बुनियादी ढांचे को मजबूती देने के लिए पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर रिकॉर्ड 12.2 लाख करोड़ कर दिया गया है। देश में कनेक्टिविटी क्रांति के तहत 7 नए हाई-स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) कॉरिडोर का ऐलान किया गया है, जिसमें दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी प्रमुख हैं।

मनरेगा युग का अंत, अब 'राम' (RAM-G) राज ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक बड़ा संरचनात्मक बदलाव करते हुए सरकार ने मनरेगा (MGN-REGA) की जगह अब 'विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन गारंटी (ग्रामीण)' यानी VB-G RAM G कानून लाने की घोषणा की है।

पिंक सिटी के जलस्रोतों का होगा कायाकल्प

प्रदूषित मुक्त होंगे कानोता, चंदलाई व नेवटा बांध

जयपुर।(मुख्य संवाददाता)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने जयपुर के ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण जल निकायों— कानोता, चंदलाई और नेवटा बांध को प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाया है। इन बांधों के जल को शुद्ध करने और इनके आसपास के क्षेत्र को इको-टूरिज्म हब के रूप में विकसित करने के लिए केंद्र सरकार की अधिकृत विशेषज्ञ एजेंसियों ने वैज्ञानिक अध्ययन शुरू कर दिया है।

वैज्ञानिक अध्ययन के मुख्य बिंदु-जल संसाधन विभाग के अनुसार, विशेषज्ञ टीमें इन बांधों पर डेटा एकत्र कर रही हैं। तैयार होने वाली विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (ष्ठक्क्र) में निम्नलिखित पहलुओं पर जोर दिया जाएगा। प्रदूषण मैपिंग-प्रदूषण के सटीक स्रोतों और दूषित जल की मात्रा का जीआईएस आधारित मानचित्रण।

आधुनिक उपचार-जल को शुद्ध करने के लिए नवीनतम 'वॉटर ट्रीटमेंट' तकनीकों का चयन। पारिस्थितिकी-बांधों की जैव विविधता का संरक्षण और जलीय जीवन को पुनर्जीवित करना। सिंचाई और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा-जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बताया कि यह परियोजना केवल सफाई तक सीमित नहीं है। रिपोर्ट में बांधों से खेतों तक सिंचाई के लिए पानी पहुँचाने की आधुनिक प्रणाली और आवश्यक मशीनरी का खाका भी शामिल होगा।

इसके अतिरिक्त, इन बांधों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए बोटिंग, ग्रीन लैंड और डे-नाइट टूरिज्म के प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। 'वंदे गंगा' अभियान से मिली प्रेरणा-उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने हाल ही में रामगढ़ बांध से 'वंदे गंगा' जल संरक्षण अभियान की शुरुआत की थी।

इसी तर्ज पर अब प्रदेश के अन्य जल स्रोतों की जल संग्रहण क्षमता बढ़ाने और पारिस्थितिक संतुलन बहाल करने के कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। मंत्री रावत ने कहा कि सरकार के ये प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करेंगे।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं

क्षेत्रप्रस्तावित कार्यजल गुणवत्ताप्रदूषण स्रोतों का स्थायी समाधान और शुद्धिकरण। तकनीकजीआईएस मैपिंग और आधुनिक जल प्रबंधन प्रणाली। पर्यटनबोटिंग सुविधा और डे-नाइट टूरिज्म का विकास।आजीविकास्थानीय स्तर पर रोजगार और पर्यावरण पर्यटन।

रेयर अर्थ का 'किंग' बनेगा भारत, चीन के एकाधिकार को तगड़ी चुनौती

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026-27 के माध्यम से भारत की रणनीतिक और आर्थिक सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक घोषणा की है। सरकार ने देश के चार राज्यों—ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु—में 'विशेष रेयर अर्थ कॉरिडोर' स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस कदम का सीधा उद्देश्य रेयर अर्थ खनिजों के मामले में चीन पर भारत की निर्भरता को खत्म करना और वैश्विक स्तर पर एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरना है।

क्या है रेयर अर्थ कॉरिडोर : इन कॉरिडोर को केवल खनन केंद्रों के रूप में नहीं, बल्कि व्यापक हब के रूप में विकसित किया जाएगा। यह पूरी 'वैल्यू चेन' को कवर करेंगे, जिसमें शामिल हैं, कच्चे माल का खनन और प्रसंस्करण। उच्च स्तरीय अनुसंधान और विकास।

चीन को झटका: वर्तमान में, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा उपकरण और नवीकरणीय ऊर्जा के लिए रेयर अर्थ तत्वों और परमानेंट मैग्नेट की आपूर्ति के लिए काफी हद तक चीन पर निर्भर है। चीन के इस लगभग एकाधिकार को तोड़ने के लिए भारत सरकार ने 7,280 करोड़ रुपये के निवेश वाली योजना को धरातल पर उतारने का संकल्प लिया है।

कलश यात्रा से गूंजा देवनगर, 2100 महिलाओं ने फूंकी सनातन चेतना की हुंकार

जयपुर। जयपुर के देवनगर सामुदायिक केंद्र में आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन सनातन चेतना के अभूतपूर्व प्रदर्शन का साक्षी बना। चारों दिशाओं से निकली 2100 महिलाओं की भव्य कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र को धर्म, संस्कार और राष्ट्रभक्ति के उद्घोष से गुंजायमान कर दिया। महिलाओं ने मां भारती के चित्र पर कलश अर्पित कर सनातन संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया। सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि महंत दीपक वल्लभ गोस्वामी ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि महिला शक्ति और युवा यदि अपनी सांस्कृतिक जड़ों से कट गए, तो राष्ट्र कमजोर होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सनातन मूल्य ही भारत की आत्मा हैं और इन्हीं के संरक्षण से राष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव है।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना एवं तराना ग्रुप के देवेंद्र शर्मा अनुराधा श्रीमाली के हनुमान चालीसा पाठ से हुई। महिलाओं और बच्चों की राष्ट्रभक्ति गीतों व नृत्य प्रस्तुतियों ने सम्मेलन को ऊर्जा और भावनात्मक मजबूती प्रदान की।

सम्मेलन में गोपाल शरण महाराज, ब्रह्म परमानन्द महाराज एवं विधायक कालीचरण सर्राफ ने भी अपने विचार रखते हुए धर्म, संस्कृति और सामाजिक एकता को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। इस अवसर पर संत-महंतों का सम्मान कर सनातन परंपरा के प्रति कृतज्ञता प्रकट की गई। मुख्य वक्ता विश्व हिन्दू परिषद् के अमितोष पारीक ने अपने तेजस्वी संबोधन में कहा कि सनातन को सशक्त बनाना हमारा प्रथम और मूल ध्येय है। उन्होंने पाकिस्तान और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं की दयनीय स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि अब मौन नहीं, वैश्विक चेतना जगाने की आवश्यकता है। पारीक ने कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की परंपरा ही भारत की पहचान है, जिसे विश्व पटल पर पुन: स्थापित करना हम सबका दायित्व है। कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन निधीश गोयल ने किया।

शेखावाटी की महिलाओं के लिए खुले रोजगार के द्वार

जयपुर (विशेष संवाददाता)। केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए आम बजट 2026-27 ने शेखावाटी क्षेत्र के विकास को नई रफ्तार दी है। इस बजट में महिलाओं के स्वावलंबन, स्वास्थ्य और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है।

विशेष रूप से शेखावाटी के स्वयं सहायता समूहों (SHG) को मिली सौगात ने क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर बदलने की उम्मीद जगा दी है।

1. **महिलाओं को बड़ा तोहफा :** शेखावाटी की महिलाएं अब सिर्फ स्वरोजगार तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि बड़ी कंपनियों की तर्ज पर अपने 'मार्ट' खोल सकेंगी।

सीधा फायदा : शेखावाटी के लगभग 3,000 से अधिक समूहों को इस योजना का लाभ मिलेगा।

रोजगार : यदि यह योजना धरातल पर उतरती है, तो क्षेत्र की 1 लाख से अधिक महिलाओं को सीधे तौर पर रोजगार और आर्थिक मजबूती मिलेगी।

महिलाएं बड़ी कंपनियों की तर्ज पर अपने 'मार्ट' खोल सकेंगी

वर्चस्व : बता दें कि देश में सबसे सक्रिय स्वयं सहायता समूहों में शेखावाटी की महिलाओं का नाम अग्रणी है।

2. **शिक्षा और तकनीक :** स्कूलों में खुलेंगी 'कंटेंट लैब'युवाओं की प्रतिभा को वैश्विक स्तर पर निखारने के लिए बजट में कंटेंट लैब की घोषणा की गई है। शेखावाटी के 30 से अधिक सरकारी स्कूलों में यह सुविधा शुरू होगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को डिजिटल कंटेंट क्रिएशन और तकनीकी कौशल सीखने का मौका मिलेगा।
3. **स्वास्थ्य और राहत :** कैंसर दवाओं पर सीमा शुल्क खत्मआम आदमी को बड़ी राहत देते हुए सरकार ने कैंसर के उपचार में उपयोग होने वाली 17 जीवनरक्षक दवाओं पर सीमा शुल्क (Customs Duty) में छूट दी है। इससे कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज सस्ता होगा, जो मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए बड़ी राहत है। इसके अलावा, ईवी स्कूटी की दरों में बदलाव से शेखावाटी के करीब 45 हजार लोगों को सीधा वित्तीय लाभ पहुंचेगा।
4. **पर्यटन :** धार्मिक स्थलों के विकास का बनेगा रोडमैप शेखावाटी अपने हवेलियों और धार्मिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है।

बजट में पर्यटन सेक्टर पर फोकस करने से खाटूश्यामजी, सालासर बालाजी और जीणमाता जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों के बुनियादी ढांचे में सुधार की आस जगी है। सरकार स्थानीय स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा देकर रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी।

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 : प्रदेश बनेगा ग्लोबल स्टोन हब, 25 हजार वर्ग मीटर में सजेगी प्रदर्शनी

पत्थर उद्योग का वैश्विक महाकुंभ 5 फरवरी से जयपुर में, 8 देशों के प्रदर्शक दिखाएंगे दम

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान की राजधानी जयपुर एक बार फिर विश्व स्तरीय व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र बनने जा रही है। आगामी 5 से 8 फरवरी 2026 तक सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में 'इंडिया स्टोनमार्ट 2026' का आयोजन किया जाएगा। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह आयोजन का 13वां संस्करण है, जो अब तक का सबसे भव्य और तकनीक आधारित संस्करण साबित होगा। वैश्विक मंच पर राजस्थान की धमक-इस बार स्टोनमार्ट में पहली बार चीन, तुर्की, ईरान, इटली और अमेरिका सहित 8 देशों के प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। इसके अलावा 20 से अधिक देशों के खरीदार, आर्किटेक्ट और निवेशक इस महाकुंभ का हिस्सा बनेंगे। रीको, सीडोस और लघु उद्योग भारती के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित यह कार्यक्रम राजस्थान के पत्थर उद्योग को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का काम करेगा।

आयोजन की बातें

क्षेत्रफल-25,000 वर्ग मीटर से अधिक का विशाल परिसर। स्टॉल्स-पत्थर, मशीनरी और टूल्स के कुल 539 स्टॉल्स।

ODOP पवैलियन-'एक जिला एक उत्पाद' के तहत चयनित पत्थरों के लिए विशेष गैलरी।

निवेश-राइजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू को धरातल पर उतारने का मंच।

नवाचार-डिजिटल एग्जीबिशन ऐप और मल्टी-लैंग्वेज वेबसाइट की शुरुआत।

युवाओं और MSME पर विशेष फोकस-कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' के तहत 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण दे रही है। स्टोनमार्ट के माध्यम से एमएसएमई क्षेत्र के छोटे उद्यमियों को सीधे वैश्विक खरीदारों से जोड़ा जाएगा, जिससे निर्यात में वृद्धि होगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने की तैयारियों की समीक्षा-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उच्चस्तरीय बैठक लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आयोजन विश्व स्तरीय मानकों के अनुरूप हो। उन्होंने विशेष रूप से स्टार्टअप्स और स्थानीय कारीगरों को मंच प्रदान करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टोन उद्योग प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इंडिया स्टोनमार्ट इसे नई ऊंचाई पर ले जाएगा।

प्रमुख आकर्षण: जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल-प्रदर्शनी के साथ जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल का भी आयोजन होगा, जिसमें विश्व प्रसिद्ध आर्किटेक्ट्स पत्थरों के आधुनिक उपयोग व सस्टेनेबल आर्किटेक्चर पर चर्चा करेंगे।

पर्यटन और संस्कृति के लिए 'बेमिसाल बूस्ट' साबित होगा बजट : गजेंद्र सिंह शेखावत

नए पुरातात्विक स्थलों का होगा कायाकल्प, 10 हजार गाइड होंगे प्रशिक्षित, टीसीएस में कटौती से विदेशी पर्यटन को बढ़ावा

नई दिल्ली/जोधपुर (विशेष संवाददाता)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना करते हुए इसे भारत को वैश्विक पर्यटन केंद्र बनाने की दिशा में एक 'क्रांतिकारी कदम' बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक तकनीक से जोड़ेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर भी पैदा करेगा।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी की होगी स्थापना : बजट की प्रमुख घोषणाओं का स्वागत करते हुए शेखावत ने 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी' की स्थापना को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा, 'पर्यटन क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की भारी मांग है। यह संस्थान इस कमी को पूरा करेगा। साथ ही, देश के प्रतिष्ठित स्थलों पर 10,000 गाइड्स को प्रशिक्षित करने की योजना पर्यटकों के अनुभव को वैश्विक स्तर का बनाएगी।

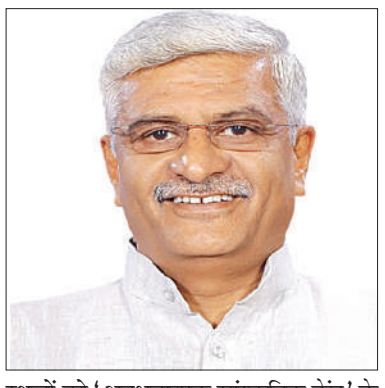

15 नए उत्खनन स्थल: लोथल, धोलावीरा और सारनाथ जैसे 15 पुरातात्विक स्थलों को 'अनुभवात्मक सांस्कृतिक केंद्र' के रूप में विकसित किया जाएगा। यहाँ 'क्यूरेटेड वॉकवे' और 'इमर्सिव स्टोरीटेलिंग' जैसी तकनीकों का उपयोग होगा।

इको और एस्ट्रो टूरिज्म: माउंटेन ट्रेल्स, बर्ड वॉचिंग रूट्स और स्टारगेजिंग (खगोल पर्यटन) के लिए बुनियादी ढांचे का उन्नयन किया जाएगा।

डिजिटल नॉलेज ग्रिड: एआई आधारित 'नेशनल डेस्टिनेशन डिजिटल नॉलेज ग्रिड' के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक कहानियों को पूरी दुनिया में प्रभावी ढंग से पेश किया जाएगा।

कनेक्टिविटी और मेडिकल टूरिज्म : पूर्वोत्तर के लिए 'अष्टलक्ष्मी' विजन के तहत बौद्ध सर्किट का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। हिमालयी क्षेत्रों के लिए 5 विशेष पर्यटक ट्रेनें संचालित होंगी। वहीं, 5 नए मेडिकल हब्स की स्थापना से 'मेडिकल वैल्यू टूरिज्म' को नई दिशा मिलेगी।

टैक्स में राहत और घरेलू पर्यटन का उछाल : शेखावत ने बताया कि पिछले एक साल में 294 करोड़ घरेलू पर्यटकों ने यात्रा की है, जो एक रिकॉर्ड है। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए टीसीएस को 10% से घटाकर 2% करने के फैसले को उन्होंने टूर ऑपरेटर्स के लिए संजीवनी बताया।

'यह बजट भारत की अनूठी विरासत की मार्केटिंग को तकनीक से लैस करेगा। हमारा लक्ष्य भारत को केवल एक गंतव्य नहीं, बल्कि एक वैश्विक सांस्कृतिक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करना है।'

— गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री

स्वस्थ भारत-सशक्त भारत की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा बजट : खींवसर

कैंसर और दुर्लभ बीमारियों की दवाएं होंगी सस्ती; 'बायो फार्मा शक्ति' योजना से राजस्थान के फार्मा सेक्टर को मिलेगी नई गति

जयपुर (विशेष संवाददाता)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने केंद्रीय बजट 2026-27 का ऐतिहासिक बताते हुए स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के साथ-साथ आमजन के लिए सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने वाला दस्तावेज है। विशेष रूप से 'बायो फार्मा शक्ति' और संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों (AHP) के प्रशिक्षण जैसे प्रावधान स्वास्थ्य अधोसंरचना में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे।

कुशल मानव संसाधन और केयर ईकोनोमी पर जोर : मंत्री खींवसर ने बताया कि अस्पतालों में कुशल कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने अगले 5 वर्षों में 1 लाख नए संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवर (Allied Health Professionals) तैयार करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही-

केयर प्रोवाइडर्स : बुजुर्गों और गंभीर रोगियों की देखभाल के लिए 1.5 लाख केयर प्रोवाइडर्स को प्रशिक्षित किया जाएगा।

क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र : मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए देश में 5 क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्रों की स्थापना होगी।

आयुष का विस्तार : 3 नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान और आधुनिक औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं से पारंपरिक चिकित्सा को मजबूती मिलेगी।

10 हजार करोड़ की 'बायो फार्मा शक्ति' योजना : चिकित्सा मंत्री ने बजट में घोषित 10 हजार करोड़ रुपये की 'बायो फार्मा शक्ति' योजना को राजस्थान के लिए गेम-चेंजर बताया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं का उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि प्रदेश में क्लिनिकल रिसर्च और फार्मा शिक्षा के क्षेत्र में भी रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

कैंसर पीड़ितों को बड़ी राहत : बजट में कैंसर की 17 दवाओं और दुर्लभ बीमारियों के उपचार पर कस्टम ड्यूटी में दी गई छूट का जिक्र करते हुए खींवसर ने कहा कि इससे लाखों रोगियों के इलाज का खर्च कम होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताते हुए कहा कि यह बजट राजस्थान में चिकित्सा शिक्षा, नर्सिंग और पैरामेडिकल सेक्टर के उन्नयन में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

कला और संस्कृति के माध्यम से हमारी परंपराओं और विशेषज्ञता को नए प्रतिमान देने का अवसर

कलाओं का महापर्व : 'पिंकफेस्ट 2026'

अवधेश मिश्र

आप प्रवेश करेंगे एक ऐसे लोक में, जहाँ चित्रों की तानों का नाद समूचे परिवेश को गुंजायमान कर देता है, जहाँ सुरों के रंग मिलकर इन्द्रधनुष रचते हैं, जहाँ थाप पर थिरकती भंगिमाएँ मानवीय संवेगों का सम्प्रेषण करती हैं, जहां अभिनय स्मृति में बस जाने वाली कथाएँ रचता है और शब्द रेखाचित्र बनकर संवेदना की दीवारों पर उभर आते हैं। यही है कलाओं का महापर्व — 'पिंकफेस्ट 2026'।

राजस्थान की जीवंत संस्कृति और समृद्ध परंपराओं के आलोक में, दुनिया भर के विविध कलारूपों की सुन्दर, सरस और सजीव प्रस्तुतियों की यह बौछार तन को ही नहीं, मन और आत्मा को भी भिगो देती है। तीन दिवसीय यह आयोजन 6 से 8 फरवरी 2026 राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में कला, साहित्य और सांस्कृतिक परंपराओं की बहुविध प्रस्तुतियों से समृद्ध होगा। कला-प्रदर्शनियाँ होंगी, विचारोत्तेजक संवाद होंगे, रचनात्मक कार्यशालाएँ होंगी और प्रदर्शनकारी कलाओं के ऐसे सजीव रूप सामने आएँगे, जो समय की स्मृति में अंकित हो जाएँगे।

यहाँ कलाकार, लेखक, चिंतक और संस्कृति-प्रेमी एकत्र होंगे : ऐसे मनीषी, जिनका ज्ञान, कौशल और अभिव्यक्ति की सरसता भाषा की सीमाओं को लांघकर सीधे आत्मा को स्पंदित करती है। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक दृष्टिकोण का यह सुन्दर सम्मिलन प्रतिभाओं के बीच गहन संवाद का एक ऐसा ताना-बाना बुनता है, जिसे ओढ़कर हम केवल दर्शक बनकर नहीं लौटते बल्कि अपनी अक्षुण्ण संस्कृति, ज्ञान-परंपरा और सृजनशील मनीषा के पथिक बन जाते हैं।

'पिंकफेस्ट' कला और संस्कृति के माध्यम से हमारी परंपराओं और विशेषज्ञता को नए प्रतिमान देने का अवसर है — उन्हें विस्तार देने का और नई दुनिया के साथ संवाद स्थापित करने का अवसर। यह मंच न केवल स्थापित कलाकारों को गरिमामय उपस्थिति प्रदान करता है, बल्कि युवा रचनाकारों के लिए भी ऐसा अनुकूल वातावरण रचता है जहाँ उनकी आवाज़ सुनी जाती है और उनकी प्रतिभा को पहचान मिलती है। विश्वभर के कलाकारों और मर्मज्ञों को एक साथ लाकर पिंकफेस्ट सांस्कृतिक संवेदनशीलता को विकसित करता है और सौन्दर्यबोध से हम सब को जोड़ता है। यह हमारे भीतर विद्यमान कल्पना के रंगों को और चटक करता है, हमारी परंपराओं की जड़ों को पुनर्जीवित करता है और हमें यह स्मरण कराता है कि कला और संस्कृति ही वे सूक्ष्म, किंतु सुदृढ़ धागे हैं, जो सम्पूर्ण मानवता को एक सूत्र में बाँधते हैं। इसलिए आइए हम सहभागी बनें 'पिंकफेस्ट 2026' के।

मुख्यमंत्री की 60 दिल्ली यात्राएं रहीं बेअसर : डोटासरा

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बजट को पूरी तरह दिशाहीन बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने पिछले दो वर्षों में 60 से अधिक बार दिल्ली का दौरा किया, लेकिन इसके बावजूद वह प्रदेश के लिए कोई विशेष आर्थिक पैकेज या ईआरसीपी (ERCP) को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं दिला सके।

ERCP और मानगढ़ : पूर्वी राजस्थान की जीवनरेखा ईआरसीपी और मानगढ़ धाम के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं किया।

सौतेला व्यवहार: जल जीवन मिशन में राजस्थान को कोई विशेष पैकेज न मिलना केंद्र के भेदभावपूर्ण रवैये का प्रमाण है।

महंगाई और युवा : युवाओं के रोजगार और मध्यम वर्ग को महंगाई से राहत देने के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए गए।

हनुमान बेनीवाल ने भी घेरा : आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल ने भी बजट को राजस्थान के लिए 'डबल जीरो' बताया। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस राज्य ने केंद्र को बड़ी संख्या में सांसद दिए, उसी का नाम बजट भाषण से गायब रहा।

सम्पादकीय

खास तरह का आम बजट आत्मनिर्भर भारत पर नजर

वैश्विक अनिश्चितता के बीच जब आम बजट को लेकर कई अनुमान लगाए जा रहे थे, तब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लीक से हटकर चलने का फैसला किया। यह समय की मांग भी थी। इसी कारण इस बजट में कोई चौंकाने वाली या फिर लोकलुभावन घोषणा नहीं। ऐसा इसीलिए है, क्योंकि अनिश्चित माहौल में कोई योजना बनाना एक तरह से अंधेरे में तीर मारना होता। मोदी सरकार ने बजट के जरिये अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और उसे स्थिरता प्रदान करने वाले फैसले लिए हैं। यह भी दिख रहा है कि उसकी कोशिश आर्थिक मोर्चे पर स्थितियों को सुधारने पर जोर देना है। इसी कारण यदि आम या खास आदमी इस बजट में सीधे तौर पर खुद को लाभान्वित होता हुआ नहीं देख रहा है तो आश्चर्य नहीं। इसका यह अर्थ भी नहीं कि उसे परोक्ष तौर पर भी कुछ मिलने नहीं जा रहा है। बुनियादी ढांचे के निर्माण से लेकर सामाजिक विकास की अनेक योजनाओं के माध्यम से सभी वर्गों को राहत या सुविधाएं देने की कोशिश की गई है। नि:संदेह बजट पर शेयर बाजार ने निराशाजनक प्रतिक्रिया दी, लेकिन यह पहली बार नहीं, जब शेयर बाजार को बजट रास नहीं आया हो। चूंकि यह बजट पारंपरिक नहीं है, इसलिए उसकी व्याख्या भी नए तरीके से की जानी चाहिए। बजट का केंद्रीय तत्व आर्थिक और वित्तीय अनुशासन है, इसका एक प्रमाण राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को और कम करना है। इसके अतिरिक्त उन योजनाओं पर पैसा खर्च करना भी है, जिनसे देश की आर्थिक बुनियाद मजबूत हो और आत्मनिर्भर भारत की नींव सशक्त बने।

बजट में ऐसे कई उपाय किए गए हैं, जो उद्योग-व्यापार जगत को सीधा संदेश देते हैं कि उसे अपने तौर-तरीके बदलने होंगे। यदि भारतीय उद्योग जगत को चुनौतियों से पार पाना है तो उसे यह करना ही होगा। यूरोपीय संघ से मुक्त व्यापार समझौते के बाद ऐसा करना और भी आवश्यक हो गया है। इसकी अनदेखी नहीं की जाए कि हमारा उद्योग जगत वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए तैयार नहीं। कहना कठिन है कि इस बजट की घोषणाएं उसे इसके लिए प्रेरित कर सकेंगी या नहीं? जो भी हो, यह अच्छा है कि सरकार ने बजट में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम श्रेणी के उद्योगों को सक्षम बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। ये कदम यही बता रहे हैं कि जो काम छोटे और मझोले कारोबारियों को करना चाहिए, उसमें सरकार हाथ बंटाने के लिए आगे आ रही है। यदि इसके बाद भी एमएसएमई क्षेत्र सक्षम नहीं बनता तो यह निराशाजनक ही होगा। वास्तव में छोटे-बड़े, सभी कारोबारियों को अपने हिस्से की जिम्मेदारी समझनी होगी। इसी तरह नौकरशाही को भी अपने रंग-ढंग बदलने होंगे। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो पांच लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में बुनियादी ढांचे के विकास और ऐसी ही अन्य बड़ी योजनाओं का वही हश्र होगा, जो स्मार्ट सिटी योजना का हुआ। यह समझना होगा कि शहरों का विकास करने की जिम्मेदारी मूलत: राज्यों और नगर निकायों की है। केंद्र सरकार ऐसे कुछ नियम-कानून अवश्य बना सकती है, जिनसे राज्य सरकारें और नगरीय विकास की एजेंसियां अपना काम कुछ उसी तरह करें, जैसे मेट्रो परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के मामले में किया जा रहा है। बजट में सीधे तौर पर टैक्स छूट देने के बजाय टैक्स संबंधी नियम-कानूनों का सरलीकरण करने और कठोर दंडात्मक उपायों से परे जाने के जो अनेक फैसले किए गए हैं, उनसे लोगों को सचमुच राहत भी तभी मिलेगी, जब नौकरशाही का रवैया बदलेगा। इस बजट में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, उसका विस्तार करने, कृषि क्षेत्र की हालत सुधारने और रेयर अर्थ मिनरल्स में आत्मनिर्भर बनने के अतिरिक्त कई घोषणाएं ऐसी हैं, जिनका लाभ मिलने में समय मिलेगा, लेकिन कम से कम यह तो सुनिश्चित किया ही जाए कि उन पर अमल सही तरह और समय पर हो।

विचार

राष्ट्रीय सुरक्षा : सामाजिक और आध्यात्मिक संस्थाओं का योगदान

निःसंदेह, सीमा पर शत्रुओं से रक्षा करने वाली 'बाह्य सुरक्षा' अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन देश के भीतर सामाजिक सद्भाव और शांति बनाए रखने वाली 'आंतरिक सुरक्षा' भी उतनी ही अहम है। राष्ट्रीय सुरक्षा के इन दोनों स्तंभों को मजबूत करने में देश की 'सामाजिक-आध्यात्मिक संस्थाएं' एक अदृश्य लेकिन निर्णायक भूमिका निभाती हैं।

■ चेतन राजहंस

अक्सर जब 'राष्ट्रीय सुरक्षा' की बात होती है, तो आम नागरिक के मन में केवल सीमाओं पर तैनात सेना और जवानों का चित्र उभरता है। नि:संदेह, सीमा पर शत्रुओं से रक्षा करने वाली 'बाह्य सुरक्षा' अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन देश के भीतर सामाजिक सद्भाव और शांति बनाए रखने वाली 'आंतरिक सुरक्षा' भी उतनी ही अहम है। राष्ट्रीय सुरक्षा के इन दोनों स्तंभों को मजबूत करने में देश की 'सामाजिक-आध्यात्मिक संस्थाएं' एक अदृश्य लेकिन निर्णायक भूमिका निभाती हैं। नई दिल्ली में हाल ही में आयोजित 'सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव' में इस विषय पर गहन चिंतन किया गया कि कैसे राष्ट्र और धर्म के प्रति समर्पित संस्थाएं सुरक्षा तंत्र की रीढ़ बन सकती हैं।

सुरक्षा में आध्यात्मिक संस्थाओं का महत्व : सेना सीमाओं पर युद्ध लड़ती है, लेकिन उस सेना को मनोबल और शक्ति प्रदान करने वाला समाज 'आध्यात्मिक संस्थाएं' ही गढ़ती हैं। आंतरिक सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य में देखें, तो आज कई अलगाववादी ताकतें सिर उठा रही हैं। ऐसे समय में, ये संस्थाएं प्राचीन जीवन मूल्यों, राष्ट्रप्रेम और कर्तव्य की भावना को रोपित कर एक 'नीतिमान समाज' का निर्माण करती हैं। जब नागरिक चरित्रवान होता है, तभी देश की आंतरिक सुरक्षा अभेद्य रहती है। वहीं बाह्य सुरक्षा के दृष्टिकोण से, आज शत्रु राष्ट्र केवल हथियारों से नहीं, बल्कि 'वैचारिक और मनोवैज्ञानिक युद्ध' (Psychological Warfare) के जरिए हम पर आक्रमण कर रहे हैं। इस अदृश्य आक्रमण का सामना करने और समाज में अपनी संस्कृति व धर्म के प्रति स्वाभिमान की लौ जलाए रखने का कार्य आध्यात्मिक संस्थाएं पूरी शक्ति से कर रही हैं।

सनातन संस्था-एक आदर्श नागरिक निर्माण केंद्र : इस दिशा में गोवा में स्थापित 'सनातन संस्था' का योगदान उल्लेखनीय है। यह संस्था केवल पूजा-पाठ तक सीमित न रहकर राष्ट्र और धर्म पर आधारित 'आदर्श नागरिक' बनाने का कार्य कर रही है। संस्था की शिक्षा के अनुसार, व्यक्तिगत साधना (व्यष्टि साधना) करने से व्यक्ति शांत, स्थिर और कर्तव्यनिष्ठ बनता है। ऐसा व्यक्ति कभी भी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त नहीं हो सकता। इसके विपरीत, वह मीडिया और अन्य माध्यमों से होने वाले राष्ट्रविरोधी दुष्प्रचार का तार्किक और वैचारिक उत्तर देकर समाज की विचारशक्ति को जागृत रखता है। यह एक प्रकार का 'बौद्धिक युद्ध' है जो राष्ट्र के लिए लड़ा जा रहा है।

भावी संकटकाल और नागरिक कर्तव्य : कई दृष्टा संतों और भविष्यवेत्ताओं के अनुसार, आगामी समय प्राकृतिक आपदाओं, आर्थिक मंदी या संभवत: तृतीय विश्व युद्ध जैसे भीषण संकटों का हो सकता है। ऐसी आपातकालीन स्थितियों में सामाजिक-आध्यात्मिक संस्थाओं और जागरूक नागरिकों को सुरक्षा बलों के लिए 'सहायक शक्ति' के रूप में कार्य करना होगा। इसके लिए समाज को निम्नलिखित पांच सूत्रीय कार्यक्रमों को अपनाना आवश्यक है-

1. **प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन सहायता प्रशिक्षण :** युद्ध या आपदा के समय अक्सर चिकित्सा सहायता पहुँचने में विलंब होता है। इसलिए, प्रत्येक नागरिक और विशेषकर युवाओं को 'प्राथमिक चिकित्सा' (First Aid) का प्रशिक्षण लेना चाहिए। हर परिवार के कम से कम एक सदस्य को यह ज्ञान होना अनिवार्य है।
2. **तनाव मुक्ति कार्यशालाएं :** आज का युग तनावपूर्ण है। पुलिस और सुरक्षा बल अत्यधिक तनाव में कार्य करते हैं, और सामान्य नागरिक भी मानसिक रूप से हताश है। आंतरिक सुरक्षा के लिए उच्च मनोबल आवश्यक है। अत: नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों के लिए साधना और नामजप के माध्यम से 'तनाव मुक्ति कार्यशालाएं' आयोजित की जानी चाहिए।
3. **रक्तदान शिविर :** युद्धजन्य स्थिति हो या कोई आपदा, रक्त की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है। एक सामाजिक कर्तव्य के रूप में नियमित रक्तदान शिविरों का आयोजन करना प्रत्येक संस्था का दायित्व है।
4. **अग्निहोत्र का प्रचार :** यदि भविष्य में परमाणु हथियारों का प्रयोग होता है, तो उससे उत्पन्न होने वाले घातक विकिरण (Radiation) से बचने के लिए ऋषियों द्वारा दिया गया उपाय 'अग्निहोत्र' है। भोपाल गैस त्रासदी के दौरान इसके सकारात्मक प्रभाव देखे गए थे। अत: वातावरण की शुद्धि और सुरक्षा के लिए घर-घर में अग्निहोत्र का प्रचार आवश्यक है।
5. **सतर्कता और घुसपैठ पर नजर :** सुरक्षा एजेंसियों की मदद करना नागरिकों का कर्तव्य है। हमें अपने आसपास नजर रखनी होगी कि कहीं बांग्लादेशी या रोहिंग्या जैसे अवैध घुसपैठिए तो नहीं रह रहे हैं। यदि कोई संदिग्ध गतिविधि दिखे, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। साथ ही, यदि कहीं दंगा या अनुचित घटना होती है, तो सुरक्षित दूरी से उसका वीडियो रिकॉर्ड कर प्रमाण के साथ प्रशासन से जवाब मांगना चाहिए।

राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सीमाओं पर लगी बाड़ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक के मन में बसी राष्ट्रभक्ति की दीवार है। हमें केवल भौतिक तैयारी (जैसे भोजन-पानी का संग्रह, सौर ऊर्जा का प्रयोग) तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि 'न मे भक्त: प्रणश्यति' (मेरे भक्त का नाश नहीं होता) इस ईश्वरीय वचन पर श्रद्धा रखते हुए अपना आध्यात्मिक बल भी बढ़ाना होगा। समय की मांग है कि हम स्वयं साधना करें, सक्षम बनें और अपनी सामाजिक-आध्यात्मिक संस्थाओं व मोहल्लों को राष्ट्रीय सुरक्षा का एक अभेद्य केंद्र बनाएं।

लेखक
राष्ट्रीय प्रवक्ता, सनातन संस्था गोवा

प्रेम और भक्ति की भावाभिव्यक्ति-रासलीला

■ डॉ. सुरुचि गोस्वामी

राधा कृष्ण की लीलाओं के अद्भुत दर्शन, रसास्वादन, और एकीकरण की प्रक्रिया रास नृत्य की विशेषता है। श्रीकृष्ण और गोपियों के बीच हुई दिव्य प्रेम-लीला,और नृत्य, संगीत के साथ ही अभिनय का सम्मिलित रूप है। कृष्ण की बांसुरी की मधुर स्वरलहरी पर गोपियां सम्मोहित होकर उनके साथ रास करती हैं। यह लीला केवल सांसारिक प्रेम नहीं, बल्कि आत्मा(गोपियां) और परमात्मा (कृष्ण) के मिलन का प्रतीक मानी जाती है। रास का अर्थ बहुत ही पवित्र और भगवान और भक्त के बीच आनंदपूर्ण साख्य संबंध की चरम अवस्था है।

रंग रंग, रस रास रंग,
करती राधा अठखेली है।
अंग अंग, मन में उमंग,
सुन कृष्ण राग अलबेली है।
थिरक थिरक सब रहे तरंग,
सबके मन में यह आस है।
कृष्ण राधिका रंग रचे,
यह प्रेम रंग उल्लास है।
दौड़ दौड़ सब घूम घूम कर,
नृत्य करें वृंदावन में।
कृष्ण रमें गोपियों रंग,
राधा संग नृत्य खिलावन में।
है संगीत मधुर अधराधर,
गाते सुर और ताल में।
जाने क्या आकर्षण है,
उर बसत नंद के लाल में।
खेलो खेलो रास नृत्य मिल,
पूनमशरद के अवसर पर,
सुख समृद्ध , मिले आनंदित क्षण,
जीवन के पग पग पर।

भारतवर्ष सदैव ही अनूठी परंपराओं को सहेजने और विकसित करने में अग्रणी रहा है। रास की परम्परा भी ऐतिहासिक और अनोखी है। राधा कृष्ण की लीलाओं के अद्भुत दर्शन, रसास्वादन, और एकीकरण की प्रक्रिया रास नृत्य की विशेषता है। श्रीकृष्ण और गोपियों के बीच हुई दिव्य प्रेम-लीला,और नृत्य, संगीत के साथ ही अभिनय का सम्मिलित रूप है। कृष्ण की बांसुरी की मधुर स्वरलहरी पर गोपियां सम्मोहित होकर उनके साथ रास करती हैं। यह लीला केवल सांसारिक प्रेम नहीं, बल्कि आत्मा(गोपियां) और परमात्मा (कृष्ण) के मिलन का प्रतीक मानी जाती है। रास का अर्थ बहुत ही पवित्र और भगवान और भक्त के बीच आनंदपूर्ण साख्य संबंध की चरम अवस्था है।

रासलीला मुख्यत: उत्तर भारत के बृज क्षेत्र - मथुरा, वृंदावन, करौली, धौलपुर और भरतपुर में अधिक प्रचलित है। इसके अतिरिक्त मणिपुर में भी रासलीला एक प्रमुख सांस्कृतिक परम्परा है, जहां इसे मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। श्रीकृष्ण के समय रासलीला एक आध्यात्मिक अनुभव थी, जिसमें गोपियों का कृष्ण के प्रति प्रेम आत्मा की परमात्मा से एकता का प्रतीक था। आज के समय में रासलीला एक सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन बन गई है, जिसे नाटकीय रूप में प्रस्तुत किया जाता है। हालांकि, इसका आध्यात्मिक महत्व आज भी बना हुआ है इसमें दो राय नहीं। कोई भी सांस्कृतिक परम्परा आध्यात्मिक रूप ले कर और भी समृद्ध हो जाती है और भी निखर जाती है।

रासलीला का उल्लेख हमें 'श्रीमद्भागवत महापुराण' के दशम स्कंध में मिलता है, जहां इसे 'रास पंचाध्यायी' के रूप में वर्णित किया गया है। इसके अतिरिक्त 'गीत गोविंद' (जयदेव), 'सूरसागर' (सूरदास), 'भागवत पुराण' और 'हरिवंश पुराण' में भी रासलीला का वर्णन मिलता है। रासलीला केवल एक नाट्य प्रस्तुति नहीं, बल्कि भक्ति और प्रेम की चरम अवस्था का प्रतीक है। जहां आत्मा का परमात्मा से एकीकरण हो जाता है । जहां भक्त भगवान की आराधना में इस प्रकार रम जाए, तल्लीन हो जाए कि दोनों एक हो जाएं वही एकीकरण की प्रक्रिया है। यहां अपवित्रता का कोई अंश नहीं है। सहज सुंदर साख्य रूप है। सांस्कृतिक रूप से, यह भारतीय लोककला, संगीत और नृत्य की समृद्ध परम्परा को दर्शाती है।

श्रीमद्भागवत महापुराण , दशम स्कंध (पूर्वार्द्ध) के उनत्तीसवें अध्याय में श्री शुकदेव राजा परीक्षित को कहते हैं- 'राजन रासलीला का समय आ गया है। शरदऋतु है, चाँदनी से परिपूरित रात है, नाना प्रकार के फूल खिले हुए हैं। गोपियों को प्रेम भक्ति का आनंद प्राप्त करना है। रास क्रीड़ा के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण इनके हृदय में प्रेम की उन्मुक्त पीड़ा को उत्पन्न करते हैं। आगे शुकदेव राजा परीक्षित को समझाते हैं कि भगवान से संबंध अर्थात् योग हो जाना ही जीव के जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। ये संबंध प्रेम का भी हो सकता है, क्रोध का भी और द्वेष का, कैसा भी हो सकता है। रास में भौतिक शरीर का कोई अस्तित्व ही नहीं है, वहाँ आत्मा होती है जो परमात्मा से जुड़ती है।

रासलीला भारतीय संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है, यह भारतीय लोककला की जीवंतता को बनाए रखे है। रासलीला आध्यात्मिक प्रेम, कला, और संस्कृति का अद्भुत संगम है। रासलीला

गोपियों और कृष्ण की दिव्य नृत्य, संगीत, और अभिनय की भूमिका है। शास्त्रों में रासलीला सांसारिक काम न रहकर, 'काम-विजय लीला' कहलाती है। अर्थात कामभावना पर जिसने विजय पा ली है। यह काम से परे और ऊपर उठ जाने प्रक्रिया है। आध्यात्मिक अवधारणा में वेदों या भगवद्गीत सिद्धांतों से रासलीला को तत्वानुरूप लीलात्मक प्रेम समझा गया है जिसमें 'गोपी' आत्मा हैं , 'कृष्ण' परमात्मा हैं , और नृत्य प्रेम में डूब जाना ही आत्मा का विसर्जन है।

श्री वल्लभाचार्य एवं राधावल्लभ संप्रदाय के मतानुसार, यह 'निष्काम' पद्म रूपक लीला है जिसमें आत्मा को परमात्मा में विलीन किया जाता है । यहां 'निष्काम' शब्द निश्चय ही विचारणीय है क्योंकि 'रास' का अर्थ समझने के लिए 'निष्काम' का अर्थ समझना अतिआवश्यक है।

हिंदी के भक्तिमार्गी कवियों ने 'रास पंचाध्याची' के इस भागवत तत्त्व को ग्रहण कर अपनी सुंदर कृतियों में इसे स्थान दिया है। सूरदास जी ने कोई स्वतंत्र ग्रंथ तो नहीं लिखा है किंतु रास प्रसंग को सूरसागर में स्थान दिया है।

स्वतंत्र रूप से रास पंचाध्यायी लिखने वालों में नंददास, रहीम खानखाना, हरिराम व्यास और नवलसिंह कायस्थ के नाम उल्लेखनीय हैं। नंददास की रास पंचाध्यायी रोला नामक छंद में है। साहित्यिक ब्रजभाषा में बड़ी रसपूर्ण शैली का कवि ने प्रयोग किया है। हरिराम व्यास रचित रास पंचाध्यायी त्रिपदी नामक छंद में है। इसमें कुल 120 छंद है ।

श्रीमद्भागवत महापुराण, दशम स्कंध (पूर्वार्द्ध 2) के तेंतीसवें अध्याय में महारास का विस्तार से उल्लेख आता है। दृश्य अतिसुंदर है, श्रीकृष्ण बीच में बाँसुरी लेकर खड़े हैं, गोपियाँ आसपास एक बड़ा गोला बना कर खड़ी हैं। श्रीकृष्ण मध्य में भी हैं और सबके साथ भी हैं। श्री कृष्ण बाँसुरी बजा रहे हैं उसी मधुर धुन पर नृत्य भी कर रहे हैं। प्रकाशमान दैवीय शोभा है। आकाश से देवी, देवता, गंधर्व, किन्नर आदि मनमुग्ध अवस्था में देख रहे हैं। श्री नारायण के साथ स्वयं लक्ष्मी जी, ब्रह्मा जी एवं शिवशंकर सभी सपरिवार उपस्थित हैं

राजा परीक्षित के प्रश्न पर कि भगवान होकर श्रीकृष्ण परायी स्त्रियों का स्पर्श क्यों करते हैं ?

शुकदेव कहते हैं- 'राजन! सूर्य,अग्नि और ईश्वर द्वारा कभी-कभी धर्म विरूद्ध कार्य करने का आभास जरूर होता है,किंतु उन तेजस्वी पुरूषों को कोई दोष नहीं लगता। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि जैसे अग्नि अपने विशाल रूप में अपने संपर्क में आए सभी पदार्थों को भस्म कर देती है किंतु उन पदार्थों के दोष से लिप्त नहीं होती। सूर्य की किरणें अच्छी-बुरी सभी जगहों पर पड़ती हैं परन्तु गुण-दोष से मुक्त होती हैं। इसी प्रकार से ईश्वर भी तटस्थ हैं, वे केवल दृष्टा हैं। जीवात्मा का भगवान में योग ही महारास की अन्तिम परम अनुभूति है। भगवान शिव विष पी कर भी तटस्थ ही रहे। ये सब योगमाया ही है।' 'रास' शब्द का मूल तत्व 'रस' है। श्रीकृष्ण स्वयं रस के अवतार हैं और जिस दिव्य क्रीड़ा में एक ही रस अनेक रसों में प्रकट हो जाता है, उस रस का रसास्वादन करना ही 'रास' है, उसमें काम-भावनाओं के लिए कोई स्थान नहीं है, ये प्रेम की पराकाष्ठा है। देह और देही का अंतर अप्राकृत लोक में कहीं नहीं होता। इसलिए यह भाव केवल गोपियों पर लागू नहीं होता, इस प्रेम रस की एक झलक माता के वात्सल्य भाव में भी देखी जा सकती है। प्रेम भाव से हट कर 'रास' को कुछ और मानना अक्षम्य अपराध है। स्वयं मीरा भी इन्हीं गोपियों का अनुसरण करके भगवान श्रीकृष्ण में लीन हुईं। 'रास' एक दिव्य अनुभूति को प्राप्त करने की प्रक्रिया है इसे वासना से जोड़ने वाले लोग अधम विचारों को धारण करते हैं। महारास, महानृत्य, महासंगीत, महाअभिनय और महायोग श्री कृष्ण की दिव्य लीला है।

suruchi.fixframe@gmail.com

बाजार को रास नहीं आया बजट सेंसेक्स 1,547 अंक लुढ़का

निवेशकों को लुभाने में विफल रहा बजट

मुंबई (एजेंसी)। वित्त वर्ष 2026-27 का बजट निवेशकों को लुभाने में विफल रहा और घरेलू शेयर बाजारों में रविवार को विशेष सत्र के दौरान शुरुआती तेजी के बाद भारी गिरावट देखी गई। बीएसई का सेंसेक्स 2,826 अंक के उतार-चढ़ाव के बाद अंत में 1,546.84 अंक (1.88 प्रतिशत) टूटकर चार महीने के निचले स्तर 80,722.94 अंक पर बंद हुआ।

बाजार बजट से पहले तेजी में था और एक समय 456 अंक चढ़कर 82,726.65 अंक पर पहुंच गया, लेकिन वित्त मंत्री का बजट भाषण समाप्त होते-होते बाजार अचानक तेजी से गिर गया।

कुछ ही देर में यह 2,370 अंक गिरकर 79,899 अंक तक उतर गया था जो बीच कारोबार में पांच महीने का निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 495.20 अंक यानी 1.96 प्रतिशत की गिरावट में 24,825.45 अंक पर बंद हुआ। यह इसका भी चार महीने का निचला स्तर है। सूचकांक ऊपर 25,440.90 अंक और नीचे 24,571.75 अंक तक गया। चौतरफा बिकवाली के बीच मझौली और छोटी कंपनियों को भी नुकसान उठाना पड़ा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.06 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.73 प्रतिशत गिर गया। एनएसई में आईटी सूचकांक की 0.57 प्रतिशत की तेजी को छोड़कर अन्य सभी सेक्टर गिरावट में रहे। सार्वजनिक बैंकों का सूचकांक 5.57 प्रतिशत, धातु का 4.05 प्रतिशत, तेल एवं गैस का 2.86 प्रतिशत, एफएमसीजी का 2.29 प्रतिशत, रियलिटी का 2.22 प्रतिशत, ऑटो का 2.09 प्रतिशत और निजी बैंकों का 1.22 प्रतिशत की गिरावट में बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक और अडानी पोर्ट्स के शेयर साढ़े पांच प्रतिशत से ज्यादा टूट गये। बीईएल में भी सवा पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही। आईटीसी, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट और एलएंडटी के शेयर तीन से चार प्रतिशत के बीच टूटे। बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, मारुति सुजुकी, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड और महिंद्रा एंड महिंद्रा में दो से तीन प्रतिशत की गिरावट रही।

इटरनल, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, ट्रेंट और भारती एयरटेल के शेयर एक से दो प्रतिशत फिसल गये।

एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनीलिवर में भी करीब एक फीसदी की गिरावट देखी गई।

टीसीएस का शेयर करीब दो प्रतिशत और इंफोसिस का एक प्रतिशत से अधिक चढ़ा। सनफार्मा और टाइटन के शेयर भी हरे निशान में रहे।

यूनियन बैंक ने फैक्टरिंग सॉल्यूशन के साथ किया समझौता

मुंबई (एजेंसी)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा रविवार को सी2एफओ फैक्टरिंग सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो सी2ट्रेड्स ब्रांड नाम के तहत ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम प्लेटफॉर्म को परिचालित करता है।

यह कार्यनीतिक साझेदारी डिजिटल सप्लाई चेन फाइनेंस को सुदृढ़ करने तथा एमएसएमई और कॉर्पोरेट्स के लिए लिक्विडिटी एक्सेस बढ़ाने हेतु बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। समझौता ज्ञापन पर दोनों संगठनों के वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा हस्ताक्षर किए गए। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की ओर से अभिजीत बसाक, मुख्य महाप्रबंधक, लार्ज कॉर्पोरेट वर्टिकल, प्रसाद रामस्वामी, प्रमुख, कॉर्पोरेट संबंध एवं संव्यवहार बैंकिंग, सिद्धार्थ मुजुमदार, महाप्रबंधक, बीजू सुरेंद्रन और नागाभूषण, उप महाप्रबंधक उपस्थित रहे। सी2एफओ फैक्टरिंग सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड की ओर से नेहा बहादुर, प्रबंध निदेशक, न्यूटन डिसूजा, एसोसिएट डायरेक्टर-वित्तीय संस्थान, निनाद भोइर, वरिष्ठ प्रबंधक, वित्तीय संस्थान, परिचालन, उपस्थित रहे। इस समझौता ज्ञापन के साथ, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सी2ट्रेड्स डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करके कुशल रिसीवेबल्स फाइनेंसिंग समाधान प्रदान करेगा, जिससे एमएसएमई को कार्यशील पूंजी मिलेगी और कॉर्पोरेट्स को वेंडर को भुगतान करने के लिए एक आसान और पारदर्शी सिस्टम प्राप्त होगा।

यह साझेदारी ट्रेड्स इकोसिस्टम में बैंक की भागीदारी को और बेहतर करेगी और भारत की एमएसएमई श्रेणी को सुदृढ़ बनाने के बड़े उद्देश्य को पूरा करेगी।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का मुनाफा 48 प्रतिशत बढ़कर हुआ 503 करोड़

मुंबई (एजेंसी)। निजी क्षेत्र के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 48 प्रतिशत बढ़कर 503 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बैंक के निदेशक मंडल की शनिवार को हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की गई। इसमें बताया गया है कि तिमाही के दौरान ब्याज से प्राप्त कुल आय 10,417 करोड़ रुपए रही जो एक साल पहले की तुलना में 11.5 प्रतिशत अधिक है।

तिमाही के दौरान बैंक द्वारा दिये गये ऋण में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 2,79,428 करोड़ रुपए रहा। इस दौरान सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) का अनुपात 1.94 प्रतिशत से घटकर 1.69 प्रतिशत पर आ गया जबकि शुद्ध एनपीए 0.52 प्रतिशत से बढ़कर 53 प्रतिशत पर पहुंच गया। अक्टूबर दिसंबर के दौरान ग्राहकों द्वारा बैंक में जमा राशि 24.35 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 2,82,662 करोड़ रुपए रही। इसमें चालू खातों और बचत खातों में जमा राशि 32.96 फीसदी बढ़कर 1,50,350 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी वी. विद्यानाथन ने कहा कि बैंक के सभी प्रमुख कारोबारों में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। इनमें ऋण, जमा, धन प्रबंधन, ट्रांजेक्शन बैंकिंग शामिल हैं। बैंक की पूंजी लागत एक साल पहले के 6.49 प्रतिशत से घटकर 31 दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही में 6.11 प्रतिशत रह गयी है। श्री विद्यानाथन ने कहा कि बचत पर ब्याज दरों में गिरावट के कारण आने वाले समय में पूंजी लगात और कम होगी जिससे बैंक के लिए ऋण देना ज्यादा आसान होगा।

टाटा मोटर्स ने जनवरी में की 71,066 यूनिट्स की बिक्री

मुंबई (एजेंसी)। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने जनवरी 2026 के दौरान घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत प्रदर्शन करते हुए कुल 71,066 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की है। यह आंकड़ा जनवरी 2025 में दर्ज की गई 48,316 यूनिट्स की बिक्री की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। कंपनी के पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में घरेलू बाजार (इलेक्ट्रिक वाहनों सहित) में 70,222 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 844 यूनिट्स की बिक्री हुई। इस प्रकार पैसेंजर व्हीकल्स की कुल बिक्री (ईवी सहित) 71,066 यूनिट्स रही। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में भी कंपनी का प्रदर्शन सशक्त रहा। जनवरी 2026 के दौरान घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कुल 9,052 इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री दर्ज की गई। जनवरी 2026 की कुल बिक्री में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड की सहायक कंपनी टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड की बिक्री भी शामिल है।

कितनी कीमत बढ़ेगी अभी तय नहीं, अप्रैल 2025 में 4% बढ़े थे दाम

लागत बढ़ने से मारुति सुजुकी की कारें होंगी महंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मारुति सुजुकी इंडिया अपनी कारों की कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही है। कंपनी के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग एंड सेल्स) पार्थो बनर्जी ने 2 फरवरी को बताया कि कमोडिटी की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के कारण इनपुट कॉस्ट बढ़ गई है, जिससे अब गाड़ियों के दाम बढ़ाना जरूरी हो गया है। कीमती धातुओं के दाम और जियोपॉलिटिकल हालात पार्थो बनर्जी के मुताबिक, कमोडिटी फ्रंट पर कच्चे माल की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। खासकर कीमती धातुओं के दाम में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

उन्होंने कहा कि जियोपॉलिटिकल टेंशन्स के चलते भी सप्लाई चेन और लागत पर असर पड़ा है। कंपनी अब तक लागत का भार खुद उठाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन अब इसे ग्राहकों पर डालना मजबूरी हो गया है। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि कीमतें कब से और कितनी बढ़ाई जाएंगी। कंपनी ने इससे पहले अप्रैल 2025 से अपनी कारों की कीमत में 4% तक की बढ़ोतरी की थी।

पुरानी बुकिंग वालों को राहत: कंपनी ने पहली बार कार खरीदने वाले ग्राहकों का ध्यान रखते हुए जनवरी में 'प्राइस प्रोटेक्शन स्कीम' शुरू की है। बनर्जी ने बताया कि जिन लोगों ने गाड़ियां बुक कर ली हैं लेकिन प्रोडक्शन की कमी के कारण उन्हें डिलीवरी नहीं मिल पाई है, उनसे बढ़ी हुई कीमतें नहीं ली जाएंगी। उन्हें उसी दाम पर कार मिलेगी जिस पर उन्होंने बुकिंग की थी।

मारुति सुजुकी का अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मुनाफा 4% बढ़ा : मारुति सुजुकी इंडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में 49,891 करोड़ रुपए की कुल कमाई की। यह पिछले साल के मुकाबले 29% बढ़ी है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 38,752 करोड़ रुपए की कमाई की थी।

इसी तिमाही में कंपनी ने 6.67 लाख कारें बेचीं। कुल कमाई में से सैलरी, टैक्स, कच्चे माल की कीमत जैसे खर्चे निकाल दें तो कंपनी के पास 3,794 करोड़ रुपए शुद्ध मुनाफे (नेट प्रॉफिट) के रूप में बचे। यह 2025 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही से 4% ज्यादा है। पिछले साल कंपनी को 3,659 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

फिजिक्सवाला ने की सीबीएसई छात्रों के लिए मॉक प्रीबोर्ड्स की घोषणा

यह योजना सिर्फ पीडब्ल्यू के छात्रों के लिए नहीं, बल्कि देश के किसी भी कक्षा 10 के छात्र के लिए खुली है

सीकर। शिक्षा कंपनी फिज़िक्सवाला ने कक्षा 10 के सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 में भाग लेने वाले छात्रों की मदद के लिए एक योजना शुरू की है। इसमें देश के सभी छात्र मुफ्त डाउट हल करने में विशेषज्ञों की मदद ले सकते हैं। यह योजना सिर्फ पीडब्ल्यू के छात्रों के लिए नहीं, बल्कि देश के किसी भी कक्षा 10 के छात्र के लिए खुली है। इसका उद्देश्य परीक्षा के समय पढ़ाई का तनाव कम करना है।

पीडब्ल्यू देशभर में विज्ञान और गणित के लिए ऑफलाइन प्रीबोर्ड भी करवाएगा ताकि छात्रों की तैयारी मजबूत हो सके। ये परीक्षा पीडब्ल्यू के विध्यापीठ, पाठशाला और ट्यूशन सेंटर्स में होंगी। इससे छात्रों को असल बोर्ड परीक्षा जैसा अनुभव मिलेगा और वे समय सीमा में परीक्षा की तैयारी बेहतर कर सकेंगे। फिज़िक्सवाला के विध्यापीठ-ऑफलाइन के सीईओ अंकित गुप्ता ने बताया कि शिक्षा पर कोई सीमा नहीं होनी चाहिए, खासकर जब छात्र बोर्ड परीक्षा जैसी महत्वपूर्ण तैयारी कर रहे हों। कई छात्रों को तुरंत अच्छी मदद नहीं मिलती और एक छोटा डाउट भी उन्हें तनाव दे सकता है, इसलिए हमने अपने विध्यापीठ, पाठशाला और ट्यूशन सेंटर्स सभी छात्रों के लिए खोल दिए हैं, चाहे वे फिज़िक्सवाला के छात्र हों या नहीं। हम चाहते हैं कि छात्र खुद को सहारा मिला हुआ, आत्मविश्वासी और पूरी तैयारी के साथ परीक्षा देने के लिए तैयार महसूस करें।

भारत के सभी छात्र अपने पास के फिज़िक्सवाला विध्यापीठ, पाठशाला या ट्यूशन सेंटर जा सकते हैं और एक 'डाउट बस्टर पास' ले सकते हैं, जो बोर्ड परीक्षा तक वैध रहेगा। इस पास के साथ छात्र जो भी उनके डाउट्स हों उनके हल के लिए स्लॉट बुक कर सकते हैं। अनुभवी शिक्षक छात्रों के सवालों का जवाब देंगे।, मुश्किल टॉपिक समझाएंगे और उत्तर लिखने की रणनीति भी बताएंगे। छात्र भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीव विज्ञान सभी विषयों की शंकाओं को हल कर सकते हैं और सीबीएसई कक्षा 10 के लिए रिविजन कार्ड भी प्राप्त कर सकते हैं, जो उनकी तैयारी में मदद करेगा। छात्र अपने नज़दीकी सेंटर में 8 फरवरी 2026 को होने वाली गणित परीक्षा के लिए पीडब्ल्यू ऐप के जरिए स्लॉट बुक कर सकते हैं।

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 33% बढ़ा, रेवेन्यू 54% बढ़कर 6,148 करोड़ रहा

मुंबई। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी का अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में नेट लॉस यानी शुद्ध घाटा सालाना आधार पर 33% बढ़कर 1,065 करोड़ रहा। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 799 करोड़ का घाटा हुआ था। वहीं कंपनी के ऑपरेशनल रेवेन्यू में 54% की बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 6,148 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 3,993 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया था। स्विगी के 'इंस्टामार्ट' बिजनेस ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। इसकी कुल बिक्री पिछले साल के मुकाबले दोगुनी होकर 7,938 करोड़ हो गई है। लोग अब न सिर्फ ज्यादा ऑर्डर कर रहे हैं, बल्कि उनके ऑर्डर का साइज भी बड़ा हो गया है।

पेटीएम का मुनाफा 225 करोड़ रहा

मुंबई (एजेंसी)। पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर बढ़कर 225 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 208 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। कंपनी का रेवेन्यू भी सालाना आधार पर 20% बढ़कर 2,194 करोड़ पर पहुंच गया है। पिछले साल की समान तिमाही में यह 1,828 करोड़ रुपए रहा था। हालांकि, इन मजबूत नतीजों के बावजूद शेयर बाजार में कंपनी के प्रति सेंटीमेंट थोड़ा कमजोर दिखा और आज इसके शेयर करीब 3% तक फिसल गए। पेटीएम ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी की ऑपरेशनल इनकम में अच्छी ग्रोथ रही है। कंपनी का कहना है कि पेमेंट बिजनेस और फाइनेंशियल सर्विसेज के विस्तार के कारण रेवेन्यू में यह बढ़त देखने को मिली है। पेटीएम का शेयर 1130 पर बंद हुआ : पेटीएम का शेयर शुक्रवार को 3.26% की गिरावट के साथ 1,130 के स्तर पर बंद हुआ। बीते 5 दिन में यह 13.30% और इस साल अब तक 12% गिरा है। पिछले एक महीने में पेटीएम का शेयर 13% गिरा है। वहीं कंपनी के शेयर ने 6 महीने में 6% और एक साल में 46% का रिटर्न दिया है। कंपनी का मार्केट कैप 72.53 हजार करोड़ रुपए है।

अमेजन 16,000 और कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने 16,000 और कर्मचारियों की छंटनी करने का एलान किया है। अक्टूबर में शुरू हुई रीस्ट्रक्चरिंग प्रोसेस का हिस्सा है। उस समय कंपनी ने 14,000 पदों को खत्म करने की बात कही थी, लेकिन अब कुल छंटनी का आंकड़ा बढ़कर 30,000 हो गया है। कटौती का मकसद मैनेजमेंट की लेयर्स को कम करना, कंपनी के भीतर ब्यूरोक्रेसी को खत्म करना है।

जियो-बीपी ने इंजन-क्लीनिंग एक्टिव टेक्नोलॉजी लॉन्च की

गोवा (एजेंसी)। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री, हरदीप सिंह पुरी ने आज गोवा में इंडिया एनर्जी वीक 2026 के दौरान जियो-बीपी के स्टाल का दौरा किया, जहां क्रांतिकारी एक्टिव टेक्नोलॉजी पेट्रोल प्रदर्शित किया गया था। जियो-बीपी का एक्टिव पेट्रोल इंजन के महत्वपूर्ण हिस्सों को साफ करने, इंजन की क्षमता को बहाल और सुरक्षित रखने, और वाहन चालकों को सामान्य पेट्रोल की तुलना में सालाना लगभग 100 किमी तक अधिक दूरी तय करने में मदद करने के लिए बनाया गया है। और यह सब बिना किसी अतिरिक्त कीमत के उपलब्ध है। इस क्रांतिकारी उत्पाद पर बात करते हुए जियो-बीपी के चेयरमैन सार्थक बेहुरिया ने कहा, 'भारतीय वाहन चालक ऐसे फायदे चाहते हैं जो रोजमर्रा में साफ दिखाई दें-जैसे स्मूथ चलने वाला इंजन, ज्यादा भरोसेमंद परफॉर्मेंस, कम मेंटेनेंस और उसी ईंधन खर्च में ज्यादा किलोमीटर। जियो-बीपी एक्टिव टेक्नोलॉजी के साथ हम ऐसा पेट्रोल लेकर आए हैं जो चलते-चलते इंजन को साफ करता है और नुकसानदायक जमाव को हटाने में मदद करता है।

'हमारा उद्देश्य उन्नत फ्यूल टेक्नोलॉजी को सभी के लिए सुलभ बनाना है, ताकि हाई-परफॉर्मेंस इंजन सफाई को एक मानक सुविधा के रूप में उपलब्ध कराया जा सके और पूरे भारत के ग्राहक हर दिन इसका लाभ उठा सकें।' एक्टिव टेक्नोलॉजी पेट्रोल पर चलने वाली मोटरसाइकिल को कोयंबटूर टेस्ट ट्रैक पर 4,000 किमी चलाया गया और इसका फायदा सालाना 100 किमी तक के अतिरिक्त लाभ में बदलता है। यह विज्ञान पर आधारित स्पष्ट अंतर है। इसके साथ लॉयल्टी फायदे और हाल ही में लॉन्च किए गए जियो-बीपी मोबिलिटी+ क्रेडिट कार्ड उपभोक्ताओं को लगातार लाभ देते हैं।

एपल की पहली-तिमाही में 13.22 लाख करोड़ की रिकॉर्ड कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी एपल ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के नतीजे घोषित कर दिए हैं। कंपनी ने इस दौरान 143.8 बिलियन डॉलर (करीब 13.22 लाख करोड़) का रेवेन्यू दर्ज किया है, जो पिछले साल के मुकाबले 16% ज्यादा है। यह एपल के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी तिमाही कमाई है। इस शानदार ग्रोथ के पीछे आईफोन की जबरदस्त बिक्री और चीन के मार्केट में हुई कंपनी की सरप्राइज वापसी को बड़ी वजह माना जा रहा है।

आईफोन की बिक्री में 23% का उछाल, एक्टिव डिवाइसेज 2.5 बिलियन पार : एपल की कुल कमाई में सबसे बड़ा हिस्सा आईफोन का रहा। आईफोन की बिक्री 23% बढ़कर 85.3 बिलियन डॉलर (करीब 7.84 लाख करोड़) पर पहुंच गई है। कंपनी के सीईओ टिम कुक ने अर्निंग्स कॉल के दौरान बताया कि आईफोन की डिमांड हैरान करने वाली रही है। वर्तमान में पूरी दुनिया में एपल के 2.5 बिलियन (250 करोड़) से ज्यादा एक्टिव डिवाइसेज इस्तेमाल किए जा रहे हैं। कंपनी का प्रति शेयर मुनाफा भी 2.84 डॉलर रहा, जिसने वॉल स्ट्रीट के 2.68 डॉलर के अनुमान को पीछे छोड़ दिया।

पिछले कुछ समय से चीन के मार्केट में एपल की स्थिति को लेकर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे थे, लेकिन ताजा नतीजों ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया है। ग्रेटर चीन सेक्टर में एपल के रेवेन्यू में 38% की भारी बढ़त देखी गई। टिम कुक ने कहा, 'यह ग्रेटर चीन के इतिहास में आईफोन के लिए सबसे बेहतरीन तिमाही रही।' चीन के शहरों में बिकने वाले टॉप तीन स्मार्टफोन आईफोन ही रहे।

वहां स्टोर ट्रैफिक में डबल डिजिट की ग्रोथ देखी गई है और रिकॉर्ड संख्या में लोगों ने एंड्रॉयड छोड़ आईफोन अपनाया है।

डाइट से जुड़ी इन 5 अफवाहों के कारण ज्यादातर लोग नहीं घटा पाते अपना वजन

कई बार आप अपना वजन तो घटाना चाहते हैं, मगर डाइटिंग और एक्सरसाइज से जुड़ी कुछ ऐसी बातें आपको पता चलती हैं, जिनके कारण आप वजन घटाने को भारी और मुश्किल काम समझते हैं। मगर इनमें से कई बातें महज अफवाह हो सकती हैं, जो आपको वजन घटाने से रोकती हैं। आइए जानते हैं इसका कारण-

अगर आप मोटे हैं, तो आप भी अपना वजन जरूर घटाना चाहते होंगे। मोटापे के कारण कई तरह की परेशानियां होती हैं इसलिए हर कोई चाहता है कि वो फिट और खुश रहे। मगर कई बार डाइट से जुड़ी कुछ अफवाहों और मिथकों के कारण लोग वजन नहीं घटा पाते हैं। कुछ लोगों को वजन घटाना बहुत मेहनत का काम लगता है इसलिए वो इसकी कोशिश ही नहीं करते हैं। जबकि अगर आप वजन घटाने के साइंटिफिक तरीके अपनाएं तो अपनी जीवनशैली में थोड़े से बदलाव और सही डाइट प्लान से वजन घटाना बहुत आसान है।

मोटापा अपने आप में कई तरह के रोगों का कारण बनता है। मोटापे के कारण कुछ ऐसी बीमारियां हो सकती हैं, जो उम्र के साथ जानलेवा साबित होती हैं, जैसे- हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और हार्ट अटैक आदि। इन बीमारियों से खुद को बचाने के लिए और अपने आप को स्वस्थ रखने के लिए आपको अपना वजन जरूर घटाना चाहिए। आइए आपको बताते हैं वेट लॉस से जुड़े कुछ ऐसे मिथक या अफवाह, जिनके कारण अक्सर लोग वजन नहीं घटाते हैं।

मोटे लोग अनहेल्दी होते हैं और पतले लोग स्वस्थ होते हैं

मोटापे के कारण कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ता है और सेहत के लिए अच्छा नहीं है। मगर इसका मतलब यह नहीं है कि सभी मोटे लोग अनहेल्दी होते हैं और हमेशा बीमार ही रहते हैं। कुछ लोग मानते हैं कि जो लोग पतले होते हैं, वो हेल्दी होते हैं। मगर ऐसा बिल्कुल नहीं है। कई ऐसे मोटे लोग भी होते हैं, जिनके शरीर के अंग किसी भी पतले इंसान से ज्यादा बेहतर काम करते हैं। दरअसल मोटापा तब बुरा होता है, जब आप मोटापे के कारण सुस्त रहते हैं और एक जगह पड़े रहते हैं। अगर आप दिनभर एक्टिव रहते हैं और नियमित एक्सरसाइज-डाइट पर ध्यान देते हैं, तो मोटापे के बावजूद आप स्वस्थ रह सकते हैं।

कम खाने से घटता है वजन

अक्सर जो लोग मोटे होते हैं, उन्हें लगता है कि उनके मोटापे का कारण सिर्फ उनका खानपान है। इसलिए जब वो मोटापा घटाना चाहते हैं, तो सबसे पहले खाना कम कर देते हैं। लोगों के बीच ये अफवाह काफी पाई जाती है कि कम खाने से वजन घटता है। मगर आपको बता दें कि आपके लिए दिन में 3 बार खाना (सुबह का नाश्ता, दोपहर का खाना, रात का खाना) बहुत जरूरी हैं। अगर आप इनमें से किसी एक को भी छोड़ देते हैं या कम खाते हैं, तो आपका वजन उल्टा और ज्यादा भी बढ़ सकता है। इसके अलावा ऐसा करने से आपका शरीर कमजोर हो सकता है।

रात में खाना खाने से बढ़ता है वजन

लोगों को आपने अक्सर ये कहते हुए सुना होगा कि रात का खाना जल्दी खा लेना चाहिए, क्योंकि देर रात में खाया गया खाना आपका वजन बढ़ा देता है। मगर ये बात भी आधी-अधूरी ही सच है। अगर आप सही मात्रा में खाते हैं और सही आहार खाते हैं, तो आपके शरीर में एक्स्ट्रा फैट नहीं जमा होता है। मगर डायटीशियन मानते हैं कि अगर आप देर रात में खाना खाते हैं, तो आप अपनी भूख से ज्यादा खा लेते हैं। इसलिए इस बात का ख्याल रखें कि खाना उतना ही खाएं, जितना आपके शरीर के लिए जरूरी है।

कॉफी से बढ़ता है वजन

कुछ लोगों को लगता है कॉफी अनहेल्दी होती है और इससे वजन बढ़ता है। मगर ये बात भी पूरी तरह सच नहीं है। अगर आप दूध वाली कॉफी ज्यादा मात्रा में पीते हैं, तो आपके वजन पर इसका प्रभाव पड़ता है। मगर अगर आप ब्लैक कॉफी पीते हैं, तो ये आपके दिमाग को रिलैक्स रखती है और इसके अन्य ढेर सारे लाभ हैं। मगर ध्यान दें कि एक दिन में 2-3 से ज्यादा कॉफी न पीएं। ज्यादा कैफीन का सेवन करने से शरीर पर इसके नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिलते हैं।

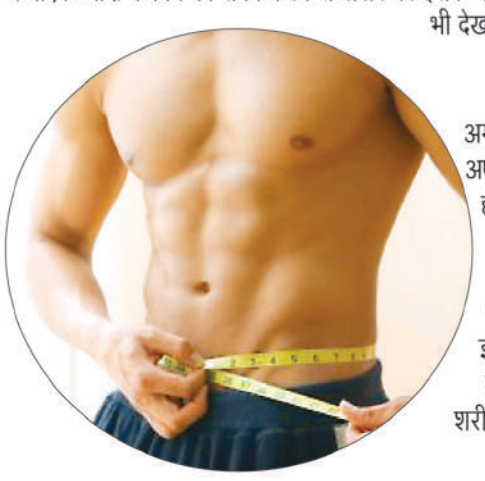

डाइटिंग से आप वजन घटा सकते हैं

अगर आप भी सोचते हैं कि सिर्फ डाइट बदलकर आप अपना वजन घटा लेंगे, तो ये भी एक तरह की अफवाह ही है। हद से ज्यादा डाइटिंग करने से आपका शरीर कमजोर हो सकता है। वजन घटाने का सबसे सुरक्षित तरीका ये है कि जितनी आपके शरीर को जरूरत है, उतना खाना खाएं। इसके अलावा शरीर में जमा अतिरिक्त चर्बी को घटाने के लिए रोजाना एक्सरसाइज करें। एक्सरसाइज न सिर्फ आपका वजन घटाती है, बल्कि आपके शरीर को स्वस्थ भी रखती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार आपको रोजाना कम से कम 30 मिनट एक्सरसाइज करना या 40 मिनट पैदल जरूर चलना चाहिए।

बालों की हर समस्या दूर करेंगी अमरूद की पत्तियां

बालों के झड़ने या टूटने से परेशान हैं, तो आप अमरूद की पत्तियों का उपयोग अपने बालों के लिए कर सकते हैं, यह आपको मजबूत, घने व बांउसी हेयर पाने में मदद करेंगें। अमरूद के पत्ते बालों के झड़ने या टूटने के बारे में चिंता करना लगभग हर किसी की आम समस्या बन चुकी है। लाइफस्टाइल, खानपान और अन्य कई कारणों से बाल कमजोर होने लगते हैं और टूटने व झड़ने लगते हैं, ऐसे में आप अगर आप इस समस्या से निजात पाने का इलाज तलाश रहे हैं, तो हम आपको एक अच्छा नुस्खा बताते हैं, जो आपकी बालों से जुड़ी हर छोटी-बड़ी समस्या को चुटकियों में दूर करने में मदद करेगा।

जब बालों की देखभाल की बात आती है, तो हर कोई कोशिश करता है कि वह अपने बालों की मजबूती और सुरक्षा के लिए ब्रांडेड हेयर प्रोडक्ट्स को चुने। लेकिन आज हम आपके बालों को स्वस्थ रखने के लिए एक सस्ता घरेलू नुस्खा बता रहे हैं, जो आपके बालों को सभी जरूरी पोषक तत्व देकर, उन्हें, मजबूत चमकदार और घना बनाने में मदद करेगा। अगर आप हेल्दी, स्ट्रॉंग और बाउंसी हेयर चाहते हैं, तो आप अपने बालों के लिए अमरूद के पत्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपके बालों के लिए प्राकृतिक रूप से देखभाल का तरीका है। अमरूद की पत्तियां आपके बालों को झड़ने के लिए चमत्कारिक उपाय है। इतना ही नहीं, अमरूद की पत्तियां बालों की चमक और बालों को मजबूत बनाए रखने में भी मदद करती हैं।

अमरूद की पत्तियों में एंटी-इंफ्लामेटरी, एंटीमाइक्रोबियल और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो इसे स्कैल्प के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए एक लोकप्रिय घटक बनाते हैं। यह विटामिन बी और सी में समृद्ध है, जो बालों के विकास में सहायता करता है। आइए हम आपको बताते है कि आप अमरूद के पत्तों को अपने बालों के लिए कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

बालों के लिए ऐसे करें अमरूद की पत्तियों का इस्तेमाल

सामग्री

■ 20 अमरूद की पत्तियां ■ 1-लीटर पानी ■ 1 नींबू ■ छलनी ■ पानी उबालने के लिए एक बर्तन

तरीका

■ सबसे पहले आप एक बर्तन में 1 लीटर पानी डालें।
■ अब आप इसमें उबाल आने दें। जब पानी खूब उबलने लगे, तो आप उबलते पानी में अमरूद की पत्तियां डालें और इसे 20 मिनट तक उबलने दें।
■ 20 मिनट के बाद इसे ठंडा होने दें और इसमें नींबू का रस मिलाएं।
■ अब आप अपने बालों को शैंपू से धोकर सुखा लें।
■ जब आपके बाल सूख जाएं, तो आप अपने बालों को कई हिस्सों में बांटकर अमरूद के इस घोल को अपने स्कैल्प पर लगाएं।
■ इसे अपने स्कैल्प पर 10 मिनट तक मसाज करें और लगभग 2 घंटे के लिए घोल लगा रहने दें।
■ इसके बाद आप गुनगुने पानी के साथ अपने बालों को धो लें। यह सुनिश्चित करें कि आप अपने बालों को अधिक गर्म पानी से न धोएं, क्योंकि इससे आपके बालों पर बुरा असर पड़ सकता है। यदि आपके बाल बहुत अधिक झड़ रहे हों, तो आप सप्ताह में तीन बार इस घोल का उपयोग करें।

बालों के लिए अमरूद के पत्तों के कुछ फायदे

■ अमरूद की पत्तियां विटामिन सी से भरपूर होती हैं, जो कोलेजन को बढ़ाती हैं और बालों के विकास को बढ़ावा देने और बालों को स्वस्थ बनाने में मदद करती हैं।
■ अमरूद की पत्तियों में लाइकोपीन होता है, जो हमारे बालों को सूरज की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाने में भी मददगार है।
■ इसके अलावा, अमरूद की पत्तियों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मददगार हैं।
■ यह बालों को होने वाले नुकसान को कम करने के आपके बालों से गंदगी या जमे हुए मैल को हटाने में मदद करता है और रोम को खोलने में मदद करती हैं।

सेहत

चेहरे और बालों को बेहद खूबसूरत बनाता है अंगूर

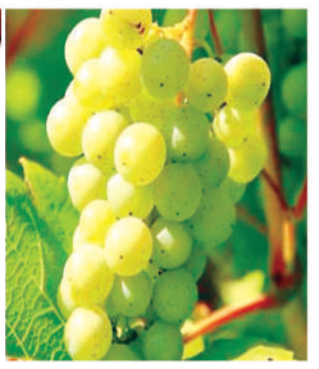

कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर अंगूर को खाने से सेहत तो अच्छी रहती ही है इसी के साथ इसे ब्यूटी प्रोडक्ट के रूप में भी काम में लिया जाता है। अंगूर में मौजूद फेनोलिक एसिड, स्टिलबेन और एंथोसायनिन जैसे पोषक तत्व बालों की खूबसूरती को बढ़ाने और चेहरे को निखारने में सहायक होते हैं।

हम आपको यहां अंगूर को किस तरह से ब्यूटी प्रोडक्ट की तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है इसके बारे में बता रहे हैं, आइए जानते हैं अंगूर के इन फायदों के बारे में-

चेहरे को बनाता है बेदाग

अंगूर के पेस्ट में थोड़ा सा दही और शहद मिलाएं, इसे अच्छे से मिक्स करें और इसके बाद इसे अपने चेहरे पर लगा लें। इस पेस्ट को चेहरे पर करीब 30 मिनट तक लगा रहने दें और इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। अंगूर के इस पेस्ट को लगाने से चेहरे पर निखार आता है और दाग-धब्बे दूर होते हैं।

बाल बनतें हैं खूबसूरत

अंगूर को पीसकर इसका पेस्ट बना लें और इसमें पिसी हुई मेथी, दही और नींबू का रस मिलाएं। इन सभी को अच्छे से मिलाकर इसका पेस्ट बना लें और इसे बालों पर लगाएं। करीब 2 घंटे तक इसे लगा रहने दें और इसके बाद बालों को अच्छे से धो लें। सप्ताह में कम से कम दो बार इस पेस्ट का इस्तेमाल करें, बाल चमकदार और मुलायम बनेंगे।

शरीर में आयरन की कमी को दूर करेगी पालक से बनी ये 5 डिश

भागती-दौड़ती जिंदगी में हम अपने खाने-पीने को लेकर अक्सर लापरवाही कर जाते हैं। ऐसे में हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी होती है। इनमें से कई पोषक तत्वों की कमी इतनी खतरनाक तो नहीं होती लेकिन शरीर में खून की कमी यानी एनीमिया से कई गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। वहीं, महिलाओं में एनीमिया का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। ऐसे में आपको अपनी डाइट में ऐसी चीजों को शामिल करना चाहिए, जिससे आपको एनीमिया का खतरा न हो और आपका शरीर भी स्वस्थ रह सके। आज हम आपको पालक की ऐसी डिश बताएंगे, जो न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होगी बल्कि आपकी सेहत के लिए भी काफी अच्छी होगी-

पनीर वाला पालक का सूप

आपकी सेहत के लिए पालक की सब्जी से ज्यादा पालक का सूप ज्यादा फायदेमंद है। आप पालक के सूप में कुछ टुकड़े पनीर के डाल दीजिए, इससे आपका सूप स्वादिष्ट बनने के साथ सेहतमंद भी होगा।

पालक दाल खिचड़ी

अगर आपको खिचड़ी कुछ खास पसंद नहीं है, तो आप पालक डालकर बना सकते हैं। ऐसा करने से न सिर्फ आपको खिचड़ी में डाली हुई दाल से प्रोटीन मिलेगा बल्कि आपको पालक में मौजूद आयरन और दूसरे पोषक तत्व भी मिल पाएंगे।

पालक-मटर दाल

आप खाने के शौकीन हैं, तो आप दाल में पालक और मटर डालकर कुछ नया ट्राई कर सकते हैं। यह आपके शरीर में कई पोषक तत्वों की कमी को दूर करता है।

पालक का सलाद

आपको खाने में जो भी फल-सब्जियां पसंद हैं, आप उसे इस सलाद में शामिल कर सकते हैं। आप पालक को स्टिम करके सलाद में चाट मसाले के साथ परोस सकते हैं।

काजू-मटर और पालक की कड़ी

श्रीलंका में यह डिश बहुत पॉपुलर है। इसमें काजू और मटर को पीसकर ग्रेवी बनाई जाती है, फिर इसमें पालक डाल दिया जाता है।

रेसिपी

चावल के पकौड़े

सामग्री

■ पके हुए चावल- 2 कप ■ बेसन- 250 ग्राम ■ प्याज- 1 (बारीक कटा) ■ हरी मिर्च- 1 बारीक कटी ■ धनिया पत्ती- बारीक कटी ■ जीरा- 1 चम्मच ■ हल्दी- चुटकीभर ■ लाल मिर्च- 1/2 चम्मच ■ अमचूर- 1/2 चम्मच ■ नमक- स्वादानुसार ■ पानी- आवश्यकतानुसार

विधि

एक बाउल में चावल लेकर उसमें प्याज, हरी मिर्च, धनिया पत्ती, हल्दी, जीरा, अमचूर, लाल मिर्च, बेसन और नमक डालकर अच्छे से मैश करेंगे। आवश्यकतानुसार इसमें पानी मिलाएं। अब इसके छोटे-छोटे बॉल्स बना लें।

कड़ाही में तेल गर्म होने के लिए रख दें। गर्म होने के बाद इसमें ये राइस बॉल्स डालें और आंच धीमी करके इन्हें फ्राई करें। तेज आंच रखने पर ये अंदर से पकेंगे नहीं। सुनहरा होने पर इन्हें निकाल लें। हरी चटनी और चाय के साथ लें गरमा-गरम पकौड़ों का मजा।

बैंगन का टेस्टी रायता

सामग्री

■ बैंगन- 200 ग्राम ■ दही- 1 चौथाई टीस्पून ■ हींग – 1 चौथाई टीस्पून ■ काली मिर्च पाउडर- चुटकीभर ■ हरी मिर्च – दो ■ लाल मिर्च पाउडर – 1 चौथाई टीस्पून ■ हल्दी पाउडर- 1 चौथाई टीस्पून ■ चीनी- चुटकीभर ■ नमक – स्वादानुसार ■ करी पत्ता- 3-4 ■ तेल- 3 टीस्पून

विधि

बैंगन का रायता बनाने के लिए पैन में तेल गर्म करें। फिर इसमें राई डालकर चटकाएं। फिर इसमें सूखी लाल मिर्च और बैंगन डालकर एक मिनट तक फ्राई करें और थोड़ी देर ढककर पका लें।

बैंगन के नर्म होने के बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर डालकर अच्छे से मिला लें। दो मिनट और पकाएं बैंगन को बिल्कुल सॉफ्ट करने के लिए। ठंडा होने पर दही डालें और साथ ही चीनी, नमक, काली मिर्च, भुना जीरा पाउडर। तड़के के लिए पैन में तेल गर्म करें। फिर इसमें करी पत्ता डालें और इसे रायते के ऊपर डाल दें। लंच हो या डिनर कभी भी इसे खाएं।

अंडर-19 विश्वकप : पाकिस्तान को हराकर भारत सेमीफाइनल में

भारत ने एशिया कप का लिया बदला, पाक टूर्नामेंट से बाहर

बुलावायो (एजेंसी)। वेदांत त्रिवेदी (68) की अर्धशतकीय पारी और निचलेक्रम के बल्लेबाजों की जुझारू पारियों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने अंडर-19 विश्वकप के 36वें मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है।

भारत पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को जीत के लिए 253 रनों का लक्ष्य दिया। पाकिस्तान 33.3 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर ही टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच सकता था, जिसमें वह विफल रहा। भारतीय गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान की पूरी टीम 46.2 ओवर में 194 के स्कोर पर समेट कर उसे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने समीर मिन्हास (नौ) का विकेट गंवा दिया। खिलन पटेल ने मिन्हास को पगबाधा आउटकर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद उस्मान खान और हम्जा जहूर ने पारी को संभाला

और 88 के स्कोर तक ले गये। 17वें ओवर में आयुष म्हात्रे ने उस्मान खान (66) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान फरहान यूसफ ने मोर्चा संभाला।दोनों बल्लेबाज टीम के स्कोर को 151 तक ले गये।

पाकिस्तान 35.3 ओवरों तक पांच विकेट पर 168 रन ही बना सका। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण से जूझ रहे पाकिस्तानी बल्लेबाजों के धीमी प्रदर्शन के कारण पाकिस्तान टीम 33.3 ओवर में मैच जीतने में विफल रही। इसके बाद पाकिस्तान ने मात्र 26 रन जोड़कर अपने पांच विकेट गंवा दिए। कप्तान फरहान यूसफ 38 और हुजैफा एहसान (14) रन बनाकर आउट हुए। पाकिस्तान के सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। भारत की ओर से खिलन पटेल और आयुष म्हात्रे ने तीन-तीन विकेट लिए। अम्ब्रिश , हेनिल पटेल, कनिष्क चौहान और विहान मल्होत्रा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पाक को ग्रुप-स्टेज में ही बाहर होने का खतरा

आईसीसी बैन लगा सकता है, भविष्य में मेजबानी भी मिलनी मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच खेलने से मना कर दिया। पाकिस्तान सरकार ने कहा कि उनकी टीम टूर्नामेंट खेलेगी, लेकिन भारत से नहीं भिड़ेगी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने कहा कि पीसीबी अपने फैसले पर फिर से विचार करे। भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करने से पाकिस्तान पर बहुत असर पड़ेगा।

आईसीसी की प्लेइंग कंडीशन के मुताबिक मैच बॉयकॉट करने से पाकिस्तान का ही रन रेट खराब होगा। 16.10.7 क्लॉज में बताया है कि पाकिस्तान के 20 ओवर में 0 रन होंगे। जबकि भारत का एक भी ओवर काउंट नहीं होगा। इससे पाकिस्तान का रन रेट बाकी मैच जीतकर भी निगेटिव में जा सकता है। ग्रुप-ए में भारत और पाकिस्तान

के अलावा नामीबिया, नीदरलैंड और अमेरिका की टीमें हैं। पाकिस्तान अगर 3 में से एक भी मैच हार गई तो टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो जाएगी। अमेरिका तो पिछले वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को हराकर ग्रुप स्टेज में ही बाहर भी कर चुका है। नीदरलैंड भी आईसीसी टूर्नामेंट में बड़े उलटफेर करते आई है। आईसीसी ने पाकिस्तान को अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए कहा है। वर्ल्ड बॉडी अब पीसीबी से पूछेगा कि उसने बॉयकॉट क्यों किया? अगर पाकिस्तान ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया तो आईसीसी उसे इसी वर्ल्ड कप से बैन भी कर सकता है। इससे पहले भी 5 टीमें वर्ल्ड कप में मैच का बॉयकॉट कर चुकी हैं।

पाकिस्तान इस मामले में सुरक्षा कारणों का हवाला नहीं दे सकता, क्योंकि टीम अपने सभी मैच भारत की बजाय श्रीलंका में खेलने वाली है। पीसीबी ने अगर बांग्लादेश को सपोर्ट करने का कारण दिया तो भी आईसीसी एक्शन ले सकता है क्योंकि आईसीसी ने पहले ही पीसीबी को धमकी दे दी थी कि अगर बांग्लादेश को सपोर्ट किया तो पीएसएल को नो एनओसी नहीं मिलेगा।

कृष्णा ने तोड़ा अपना ही इंडोर शॉट पुट राष्ट्रीय रिकॉर्ड

अल्बुकर्क (एजेंसी)। भारत की कृष्णा जयशंकर मेनन ने शनिवार को न्यू मैक्सिको टीम ओपन 2026 एथलेटिक्स मीट में महिलाओं के इंडोर शॉट पुट स्पर्धा में अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड बेहतर करते हुए खिताब अपने नाम किया। पूर्व भारतीय बास्केटबॉल खिलाड़ी प्रसन्ना और जयशंकर मेनन की बेटी कृष्णा ने 16.63 मीटर थ्रो के साथ खिताब जीता और अपने पिछले 16.03 मीटर के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया, जो उन्होंने पिछले साल अल्बुकर्क में ही हासिल किया था। हन्ना रिचर्डसन (15.94 मीटर) और एलेशा लेन (14.52 मीटर) क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। नियमों के अनुसार, नेशनल रिकॉर्ड को एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) से मंजूरी मिलनी शेष है। इस महीने की शुरुआत में नेवादा इंटरनेशनल जीतने के बाद इस साल अपनी दूसरी मीट में हिस्सा लेते हुए, कृष्णा ने 15.99 मीटर के प्रयास के साथ शाम का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अपने दूसरे थ्रो में हासिल किया।

आयरलैंड ने 2026 महिला टी-20 विश्व कप के लिए किया क्वालिफाई

कीर्तिपुर/नेपाल (एजेंसी)। अर्लीन केली (चार विकेट), लारा मैकब्राइड (तीन विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत आयरलैंड की महिला टीम ने रविवार को थाईलैंड पर 62 रनों से जीत दर्ज की। इसी के साथ वह 2026 महिला टी-20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली तीसरी टीम बन गई है। जून-जुलाई में इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले इस बड़े टूर्नामेंट में वह बंगलादेश और नीदरलैंड्स के साथ शामिल हो गई है। यहां क्वालिफायर के आखिरी दिन थाईलैंड के खिलाफ खेलते हुए, आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 121 रन बनाए। थाईलैंड का टूर्नामेंट में बल्ले से सबसे खराब दिन रहा और आयरलैंड के गेंदबाजी

आक्रमण के आगे उसकी पूरी टीम 16.1 ओवर में सिर्फ 59 रन पर सिमट गई। आयरलैंड को 62 रनों से जीत दर्ज की। गैबी लुईस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, आयरलैंड की टॉप तीन बल्लेबाजों एमी हंटर (15 गेंदों में 24), लुईस (30 गेंदों में 25), और ओर्ला प्रेंडरगास्ट (22 गेंदों में 24) सभी ने अच्छी शुरुआत की और दसवें ओवर के आखिर तक आयरलैंड का स्कोर 71 रन था। 12वें ओवर तक उसके तीनों अनुभवी बल्लेबाज आउट हो चुके थे। लुईस लिटिल ने 18 गेंदों में 14 रन बनाए, और जेन मैगुइरे 12 गेंदों में 15 रन बनाकर नाबाद रहीं। थाईलैंड के लिए लेगस्पिनर सुलीपोर्न लाओमी ने 24 रन देकर चार विकेट लिए। सुनीदा चतुरोंगरताना को दो विकेट मिले।

विश्व की नंबर वन खिलाड़ी सबालेंका को हराकर ट्रॉफी पर किया कब्जा

रायबाकिना ने जीता ऑस्ट्रेलिया ओपन

मेनबर्न (एजेंसी)। एलेना रायबाकिना ने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को शनिवार को 6-4, 4-6, 6-4 से हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का महिला एकल खिताब जीत लिया, जिससे उन्होंने 2023 में यहां चैंपियनशिप के फाइनल में मिली हार का बदला ले लिया।

चार साल पहले उन्होंने पहला सेट जीता था, लेकिन फाइनल तीन सेट में हार गई थीं। इस बार, पहले गेम में ब्रेक लेने और पहला सेट जीतने के बाद, उन्होंने दूसरा सेट हारने और तीसरे सेट में 3-0 से पिछड़ने के बाद वापसी की। उन्होंने लगातार पांच गेम जीते और फिर अपने पहले चैंपियनशिप पॉइंट पर एक ऐस के साथ मैच खत्म किया। यह पांचवीं सीड रायबाकिना का दूसरा बड़ा खिताब था, जिन्होंने 2022 में विंबलडन जीता था और चार साल पहले उस ऑस्ट्रेलियन

फाइनल में मुकाबले में एकमात्र मेजर विजेता के तौर पर पहुंची थीं। जबकि सबालेंका ने ऑस्ट्रेलिया में लगातार जीत और 2024 और 25 में यूएस ओपन में जीत सहित तीन और मेजर खिताब जीते, रायबाकिना के नतीजे खराब हो गए और वह इस टूर्नामेंट तक किसी और मेजर फाइनल में नहीं पहुंचीं। पिछले नवंबर में सीजन के आखिर में डब्ल्यूटीए फाइनल्स में सबालेंका पर जीत ने उनके करियर की दिशा बदल दी है।

कार्लोस अल्काराज ने जीता पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन, पूरा किया करियर ग्रैंड स्लैम

मेलबर्न (एजेंसी)। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने नोवाक जोकोविच को चार सेटों में रविवार को 2-6, 6-2, 6-3, 7-5 से हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीत लिया और 22 साल की उम्र में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति बन गए। अल्काराज ओपन युग में सभी चार प्रमुख खिताब कम से कम एक बार जीतने वाले सिर्फ छठे व्यक्ति हैं, जो रॉड लेवर, आंद्रे अगासी, रोजर फेडरर, राफेल नडाल और जोकोविच के साथ शामिल हो गए हैं। यह एक ऐसा कारनामा है जिसे इस स्पेनिश खिलाड़ी ने खुले तौर पर अपने सबसे बड़े लक्ष्यों में से एक के रूप में अपनाया है, एक ऐसी उपलब्धि जो अब उनके युवा करियर की सबसे बड़ी जीत के रूप में चमक रही है। एक अजीब तरह से फ्लैट शुरुआती सेट के बाद, जिसमें जोकोविच ने जोरदार शुरुआत की, अल्काराज ने बेसलाइन से लॉक इन किया और अपने पहले ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल पर कब्जा कर लिया। स्पेन के इस खिलाड़ी ने दूसरे सेट में अपने विरोधी की सर्विस दो बार तोड़ी और तीसरे सेट में कई शानदार ऑल-कोर्ट

एक्सचेंज के साथ अपने सबसे अच्छे फॉर्म में दिखे।

जोकोविच ने चौथे सेट में अपने खास अंदाज में ज़ोर लगाया, दूसरे गेम में छह ब्रेक पॉइंट बचाए, लेकिन 38 साल के जोकोविच रॉड लेवर एरिना पर अपने परफेक्ट चैंपियनशिप-मैच रिकॉर्ड का मुकाबला नहीं कर पाए और उसे बनाए नहीं रख पाए। अल्काराज ने चौथे सेट के 12वें गेम में निर्णायक ब्रेक लेकर तीन घंटे, दो मिनट की जीत पक्की की और यह पक्का किया कि जोकोविच का ऑल-टाइम रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम टाइटल का इंतज़ार जारी रहे।

अल्काराज अब सात बार के ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन हैं, जिससे वह ऑल-टाइम लिस्ट में अपने साथी एटीपी नंबर 1 क्लब के सदस्य जॉन मैकेनरो और मैट्स विलेंडर के बराबर आ गए हैं। स्पैनियार्ड की मेलबर्न जीत के साथ, अल्काराज और उनके बड़े प्रतिद्वंद्वी जैनिक सिनर ने अब मिलकर पिछले नौ ग्रैंड स्लैम टाइटल जीते हैं, जो 2023 यूएस ओपन में जोकोविच की जीत से शुरू हुए थे। अल्काराज और जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन में लगातार दूसरे साल भिड़े, जब जोकोविच ने 2025 के क्वार्टर-फाइनल में स्पैनियार्ड को चार सेट में हराया था। रविवार की जीत के साथ, अल्काराज ने दोनों की हेड2हेड सीरीज को 5-5 से बराबर कर दिया, और अब उन्होंने जोकोविच के खिलाफ खेले गए अपने तीनों बड़े टाइटल मैच जीत लिए हैं। शुक्रवार रात 2024 और 2025 के चैंपियन जैनिक सिनर के खिलाफ पांच सेट के मैराथन सेमीफाइनल में जीत के बावजूद फ्रेश दिख रहे जोकोविच ने रॉड लेवर एरिना के अंदर पहले गेम से ही बॉल पर हमला किया।

खेल संक्षिप्त

देविका सिहाग सिंधु-साइना के एलीट क्लब में शामिल

बैडमिंटन में उपलब्धि, सिहाग ने जीता थाईलैंड मास्टर्स

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत की 20 वर्षीय उभरती शटलर देविका सिहाग ने रविवार को थाईलैंड मास्टर्स 2026 में इतिहास रच दिया। बैंकॉक में खेले गए फाइनल मुकाबले में उन्होंने मलेशिया की गो जिन वेई को हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 खिताब जीता। देविका ने पहला गेम 21-8 के बड़े अंतर से जीता। दूसरे गेम में जब वे 6-3 से आगे चल रही थीं, तभी मलेशियाई खिलाड़ी को चोट के कारण रिटायर होना पड़ा और देविका को विजेता घोषित कर दिया गया। देविका ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी गेम नहीं गंवाया। उन्होंने हर मैच सीधे सेटों में जीता। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने टूर्नामेंट की नंबर-1 सीड सुपनिदा को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। इस जीत के साथ देविका सुपर 300 खिताब जीतने वाली भारत की सिर्फ तीसरी महिला खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले यह उपलब्धि केवल पीवी सिंधु और साइना नेहवाल के नाम थी। देविका ने कहा-मैं बेहद खुश हूं क्योंकि यह मेरा पहला सुपर 300 खिताब है।मैंने यहां बहुत अच्छे मैच खेले और काफी कुछ सीखा है। मैं सिर्फ अपना 100% देना चाहती थी। इसी सोच ने मुझे आत्मविश्वास दिया।

हेजलवुड विश्व कप के शुरुआती दौर से रह सकते हैं बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड टी20 विश्व कप का शुरुआती चरण मिस कर सकते हैं और अपनी चोट से रिहैब करते हुए वह सिडनी में ही रहेंगे। शॉन एबट को ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप दल में ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में जोड़ा गया है। पाकिस्तान का दौरा मिस करने के बाद ग्लेन मैक्सवेल, नाथन एलिस और टिम डेविड मंगलवार को कोलंबो में टीम से जुड़ने के लिए तैयार हैं। गुरुवार को नीदरलैंड्स के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का वॉर्मअप मैच होना है और फिर 11 फरवरी को उन्हें आयरलैंड के खिलाफ पहला मैच खेलना है। हेजलवुड ने पिछले महीने बताया था कि वह श्रीलंका में अगले महीने होने वाले ऑस्ट्रेलिया के टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं।

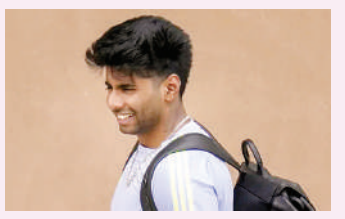

इंडिया-ए के लिए खेलेंगे मयंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ए की टीम में तेज गेंदबाज मयंक यादव की वापसी हुई है। वह विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से यूएसए और नामीबिया के खिलाफ होने वाले अभ्यास मैचों में खेलते नजर आएंगे। आईपीएल 2024 में अपनी तेज रफ़्तार से बल्लेबाजों को छकाने वाले मयंक लंबे समय बाद मैदान पर लौट रहे हैं। स्ट्रेस फ्रैक्चर की वजह से वह साल भर से ज़्यादा समय तक क्रिकेट से दूर रहे। उन्होंने अपना पिछला मुक़ाबला आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए पंजाब किंग्स के खिलाफ खेला था। वहीं ग्रोइन इंजरी से उबरने वाले तिलक वर्मा को भी टीम में जगह मिली है। बीसीसीआई के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस से फ़िटनेस क्लीयरेंस मिलने के बाद तिलक सीनियर टीम के साथ जुड़ेंगे, लेकिन उससे पहले वह अभ्यास मैच में अपनी लय तलाशेंगे।

रोइंग चैंपियनशिप में नायब सूबेदार ने जीता गोल्ड

करनाल (एजेंसी)। इंडियन आर्मी में नायब सूबेदार और पेरिस ओलिंपिक में डेब्यू करने वाले कैमला गांव के बलराज पंवार ने एक बार फिर प्रदेश का नाम नेशनल लेवल पर रोशन किया है। बलराज ने सीनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। इस चैंपियनशिप में बलराज ने 7 मिनट 12 सेकेंड में 2000 मीटर की रेस क्लियर की। बलराज ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी इस उपलब्धि की जानकारी सांझा की। बीती 27 जनवरी से 1 फरवरी तक पुणे में सीनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप हुई। इस चैंपियनशिप में बलराज ने भी अपना दमखम दिखाया और गोल्ड मेडल पर कब्जा किया। गोल्ड मेडलिस्ट बलराज पंवार ने बताया कि पुणे में आयोजित रोइंग चैंपियनशिप में 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। जिसमें मेरी टाइमिंग 7 मिनट 12 सेकेंड की रही है। उसने आर्मी सर्विसेज की तरफ से हिस्सा लिया था। दूसरे स्थान पर इंडियन आर्मी ही रही और तीसरे स्थान पर हरियाणा रहा और चौथे पर झारखंड रहा था। बलराज ने बताया कि रोइंग में हवा और पानी की धार भी जीत और हार को प्रभावित करती है। जिसके कारण समय ज्यादा लग जाता है। बलराज का कहना है कि उसने पेरिस ओलिंपिक में डेब्यू किया था, लेकिन वह मेडल नहीं जीत पाया, लेकिन अब उसका पूरा फोकस एशियन गेम्स और ओलिंपिक पर है।

ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस टी20 विश्व कप से बाहर

सिडनी (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ा झटका लगा है, जब स्टार तेज गेंदबाज पैट कमिंस पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। कमिंस अभी तक चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हुए हैं और वह 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में होने वाले इस ग्लोबल इवेंट में नहीं खेल पाएंगे। टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट को भी मूल 15 सदस्यीय टीम से बाहर कर दिया गया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस और बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ को संशोधित टीम में शामिल किया है।

बजट 2026 : विकसित भारत और राजस्थान के सुनहरे कल का रोडमैप : मुख्यमंत्री

सेमीकंडक्टर और टेक्सटाइल पार्क से प्रदेश को मिलेंगे नए पंख

जयपुर (विशेष संवाददाता)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय बजट 2026-27 को ऐतिहासिक बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह बजट युवा, महिला, किसान और गरीबों की आशाओं को पूरा करने वाला है। मुख्यमंत्री के अनुसार, बजट के प्रावधानों से राजस्थान न केवल औद्योगिक रूप से सशक्त होगा, बल्कि विकास की मुख्यधारा में और अधिक मजबूती से जुड़ेगा।

राजस्थान को मिलने वाले प्रमुख लाभ: मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से उन क्षेत्रों को रेखांकित किया जहाँ राजस्थान को सीधा फायदा मिलने वाला है-

सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 : इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के लिए ?40,000 करोड़ के आवंटन से राजस्थान की नई सेमीकंडक्टर नीति को जबरदस्त बूस्ट मिलेगा।

औद्योगिक क्लस्टर्स : प्रदेश में मेगा टेक्सटाइल पार्क और 200 नए इंडस्ट्रियल क्लस्टर्स की स्थापना से रोजगार के

लाखों अवसर सृजित होंगे।

डेटा सेंटर और क्लाउड : हाल ही में जारी प्रदेश की डेटा सेंटर नीति को केंद्र के इंसेंटिव्स से बड़ी मजबूती मिलेगी।

ग्रामीण विकास : नरेगा की तुलना में वी बी-जी राम जी योजना में बजट बढ़ाकर 95,692 करोड़ किया गया है, जिसका बड़ा हिस्सा राजस्थान को मिलेगा।

युवा और महिलाओं के लिए सौगातें : शर्मा ने कहा कि यह बजट 'पाथ ब्रेकिंग रिफॉर्म एक्सप्रेस' जैसा है। युवाओं के लिए स्टार्टअप और स्किल डेवलपमेंट पर जोर दिया गया है, वहीं महिलाओं के लिए हर जिले में 'बालिका छात्रावास' और 'शी मार्ट' जैसे क्रांतिकारी प्रावधान किए गए हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कैंसर की 17 दवाओं पर कस्टम ड्यूटी घटाने को उन्होंने आमजन के लिए बड़ी राहत बताया।

पशुपालकों की बढ़ेगी आय : मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था में पशुपालन का बड़ा योगदान है। बजट में घोषित 'लोन लिंक्ड कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी स्कीम' से प्रदेश के लाखों पशुपालकों को अपनी आय दोगुनी करने में मदद मिलेगी। सोलर और माइनिंग सेक्टर में की गई घोषणाएं भी राज्य के राजस्व में वृद्धि करेंगी।

अब घर बैठे ऑनलाइन कर सकेंगे उद्योगों के लिए आवेदन

आयुक्त सुरेश कुमार ओला ने किया पोर्टल का शुभारंभ तीन प्रमुख औद्योगिक नीतियों का मिलेगा लाभ

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राज्य में व्यापार और उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को और अधिक सरल व पारदर्शी बनाते हुए उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने बड़ा कदम उठाया है।

विभाग की तीन महत्वपूर्ण नीतियों— एक जिला एक उत्पाद (ODOP) नीति-2024, राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति-2024 और राजस्थान एमएसएमई (MSME) नीति-2024 के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है। 1 फरवरी से प्रभावी हुई इस व्यवस्था के तहत अब उद्यमी एसएसओ आईडी (SSO ID) या ई-मित्र के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त सुरेश कुमार ओला ने बताया कि इस डिजिटल पहल से उद्यमियों को अब सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने कहा, 'अब आवेदन की स्थिति की 'रियल टाइम' जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध होगी। हमने जिला महाप्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इन नीतियों के लिए अब कोई भी ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। 'प्रमुख नीतियों के तहत मिलने वाली सहायता:नीति का नाममुख्य लाभ और अनुदान एक जिला एक उत्पाद (ODOP) सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को 20 लाख तक मार्जिन मनी; तकनीक हेतु 5 लाख की मदद।निर्यात प्रोत्साहन नीतितकनीकी अपग्रेडेशन पर 50 लाख तक और दस्तावेजीकरण पर ?5 लाख तक की सहायता।राजस्थान एमएसएमई नीतिऋण पर 2% अतिरिक्त ब्याज अनुदान; SME एक्सचेंज से फंड जुटाने पर 15 लाख की मदद। डिजिटलाइजेशन से बढ़ेगी पारदर्शिताआयुक्त ने बताया कि राज्य सरकार निवेश प्रक्रिया के सरलीकरण और डिजिटलाइजेशन की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। नई व्यवस्था के तहत न केवल नए आवेदन ऑनलाइन होंगे, बल्कि अब तक जारी किए गए सभी स्वीकृति आदेशों को भी पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा।

इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और काम में तेजी आएगी। तकनीक और मार्केटिंग पर जोरतीनों नीतियों में डिजिटल मौजूदगी को प्राथमिकता दी गई है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की फीस पर 50 हजार से लेकर 2 लाख तक के पुनर्भरण का प्रावधान है। साथ ही, आईपीआर और क्वालिटी सर्टिफिकेशन के लिए भी 3 लाख तक की सहायता राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी।

विकसित भारत की नींव है यह बजट, 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' से युवा और एसएसएसई भरेंगे उड़ान : दिया कुमारी

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी ने केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना करते हुए इसे 'विकसित भारत' के संकल्प को सिद्ध करने वाला ऐतिहासिक दस्तावेज बताया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पेश किया गया यह बजट न केवल देश की वर्तमान जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत और समृद्ध भारत की आधारशिला भी रखता है।बजट के 'तीन कर्तव्य' और विकसित भारत का विजन उपमुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि यह बजट 'तीन कर्तव्यों' पर आधारित है-

आर्थिक विकास को गति देना : निवेश और नवाचार के माध्यम से अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना।जनता की उम्मीदों को पूरा करना: हर वर्ग के लिए अवसरों के नए द्वार खोलना।सबका साथ, सबका विकास: विकास का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुँचाना।'रिफॉर्म एक्सप्रेस' से बदलेगी

युवाओं की किस्मतदीया कुमारी ने बजट में घोषित 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' का जिक्र करते हुए कहा कि इससे रोजगार के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे।

MSME को मजबूती : छोटे और मध्यम उद्योगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिससे वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिक सकेंगे।

युवा और छात्र : युवाओं के कौशल विकास और छात्रों के लिए नई सुविधाओं की घोषणा से उन्हें करियर में नई उड़ान मिलेगी।

डिफेंस और इंफ्रास्ट्रक्चर : रक्षा क्षेत्र के बजट में बढ़ोतरी और बेहतर कनेक्टिविटी से देश की सुरक्षा और व्यापारिक सुगमता बढ़ेगी।राजस्थान को होगा बड़ा लाभडिप्टी सीएम ने विश्वास जताया कि केंद्र की इस 'डबल इंजन' सरकार की नीतियों का राजस्थान को भरपूर लाभ मिलेगा।

'यह बजट इंफ्रास्ट्रक्चर, महिलाओं, किसानों और युवाओं के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आया है। राजस्थान में हम केंद्र की इन योजनाओं को धरातल पर उतारकर प्रदेश के विकास को और तेज गति देंगे।'

- दिया कुमारी, उपमुख्यमंत्री,राजस्थान

मुख्य आकर्षण

- रोजगाररिफॉर्म एक्सप्रेस के माध्यम से लाखों नए अवसरों का सृजन।
- MSME आत्मनिर्भरता और ग्लोबल एक्सपोर्ट पर विशेष फोकस।
- रक्षाडिफेंस आउटले में बड़ी वृद्धि, स्वदेशी तकनीक पर जोर।
- महिलाएंमहिला सशक्तिकरण और सुरक्षा के लिए विशेष बजटीय प्रावधान।

विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने वाला ऐतिहासिक बजट : कैबिनेट मंत्री जोराराम

बजट-2026 में पशुपालन और डेयरी क्षेत्र को मिलेगा बढ़ावा युवाओं-महिलाओं और किसानों के उत्थान पर केंद्रित

जयपुर (विशेष संवाददाता)। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने केंद्रीय बजट 2026-27 को भारत के सुनहरे और विकसित भविष्य का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना को चरितार्थ करता है, जिसका सीधा लाभ राजस्थान जैसे कृषि और पशुपालन प्रधान राज्य को मिलेगा।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तकनीक का समावेश : मंत्री कुमावत ने कहा कि बजट में किसानों की आय बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पशुपालन एवं डेयरी उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए नई योजनाएं लाई गई हैं। साथ ही, 'महात्मा गांधी ग्राम स्वराज' पहल के माध्यम से स्थानीय हस्तशिल्प और उद्योगों को बढ़ावा देकर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे।

बजट को स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक बताते हुए उन्होंने कहा कि

स्वास्थ्य क्षेत्र : सस्ती दवाइयां और बेहतर बुनियादी ढांचा।

बायोफार्मा फंड : बायोफार्मा सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के प्रावधान से कैंसर और डायबिटीज जैसी बीमारियों की दवाइयां सस्ती होंगी।

ट्रॉमा सेंटर : हर जिले में इमरजेंसी एवं ट्रॉमा सेंटर की स्थापना और जिला अस्पतालों का उन्नयन आमजन के लिए वरदान साबित होगा।

मेडिकल टूरिज्म : चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए देश में 5 रीजनल हब स्थापित किए जाएंगे।

युवा और महिला सशक्तिकरण : कुमावत ने कहा कि बजट में युवाओं के लिए स्टार्टअप और मैन्युफैक्चरिंग में नए रास्ते खोले गए हैं। महिलाओं के लिए 'लखपति दीदी योजना' का विस्तार और हर जिले में बालिका छात्रावासों का निर्माण महिला सशक्तिकरण की दिशा में क्रांतिकारी कदम है।

औद्योगिक और इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति : देश की आर्थिक मजबूती के लिए 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, 20 नए जलमार्ग और सेमीकंडक्टर मिशन के लिए 40 हजार करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की गई है। मंत्री ने कहा कि खनिज कॉरिडोर और बड़े टेक्सटाइल पार्कों के निर्माण से औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

'यह बजट केवल एक वित्तीय विवरण नहीं, बल्कि 2047 के विकसित भारत का रोडमैप है। इसमें समाज के अंतिम व्यक्ति की चिंता की गई है।'

— जोराराम कुमावत, कैबिनेट मंत्री

विकसित भारत @ 2047 की मजबूत नींव है यह बजट

प्रधानमंत्री के 'सबका साथ-सबका विकास' मंत्र को साकार करता बजट : रावत

रक्षा और तकनीक पर जोर से राजस्थान को भी होगा लाभ

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना करते हुए इसे 'विकसित भारत' का रोडमैप करार दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला और आत्मनिर्भरता को मजबूती प्रदान करने वाला एक दूरदर्शी दस्तावेज है। रावत ने कहा कि यह बजट सरकार के सुशासन और देशवासियों के प्रति दृढ़ विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इस बजट का केंद्रबिंदु युवा शक्ति, महिला सशक्तिकरण और आमजन की क्षमता वृद्धि है। मध्यम वर्ग और किसानों के लिए किए गए

विशेष प्रावधानों से समाज के हर तबके को संबल मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि यह बजट राजस्थान के आर्थिक परिदृश्य को बदलने में भी बेहद लाभकारी साबित होगा।

ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनेगा भारत : जल संसाधन मंत्री ने बजट के तकनीकी और औद्योगिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सेमीकंडक्टर और आईटी: 'सेमीकंडक्टर मिशन' के तहत की गई बड़ी घोषणाएं और डेटा सेंटर्स का विस्तार स्टार्टअप्स और रोजगार के नए द्वार खोलेगा।

रेयर अर्थ कॉरिडोर : देश में रेयर अर्थ कॉरिडोर स्थापित होने से भारत जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर बनेगा और दूसरे देशों पर निर्भरता समाप्त होगी।

मैन्युफैक्चरिंग हब : भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए बजट में महत्वपूर्ण प्रोत्साहन दिए गए हैं।

सेना का आधुनिकीकरण और सुरक्षा : रक्षा क्षेत्र पर सरकार की प्राथमिकताओं का जिक्र करते हुए श्री रावत ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रक्षा मंत्रालय को 7.8 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि बजट में निरंतर वृद्धि रक्षा तैयारियों और सेना के आधुनिकीकरण के प्रति प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिससे सीमाओं की सुरक्षा और अधिक पुख्ता होगी।

'यह बजट आत्मनिर्भर भारत की ओर एक लंबी छलांग है। मैन्युफैक्चरिंग से लेकर रक्षा तक, हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का जो संकल्प प्रधानमंत्री ने लिया है, यह बजट उसे जमीन पर उतारने वाला है।'

— सुरेश सिंह रावत,
जल संसाधन मंत्री

नागर ने बजट को 150 करोड़ भारतीयों की उम्मीदों का प्रतिबिंब और ऊर्जा सुरक्षा का अमिट दस्तावेज बताया

'ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा'

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने केंद्रीय बजट 2026-27 को 150 करोड़ भारतीयों की उम्मीदों का प्रतिबिंब और ऊर्जा सुरक्षा का एक अमिट दस्तावेज बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में यह बजट भारत को वैश्विक ऊर्जा पटल पर आत्मनिर्भर और अग्रणी बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

ऊर्जा क्षेत्र के लिए क्रांतिकारी घोषणाएं : नागर ने बजट में ऊर्जा क्षेत्र के लिए की गई घोषणाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि इससे 'क्लीन एनर्जी' और 'एनर्जी ट्रांजिशन' परियोजनाओं को अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी।

बैटरी स्टोरेज : लिथियम-आयन सेल विनिर्माण के लिए प्रयुक्त पूंजीगत वस्तुओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी (BCD) में छूट जारी

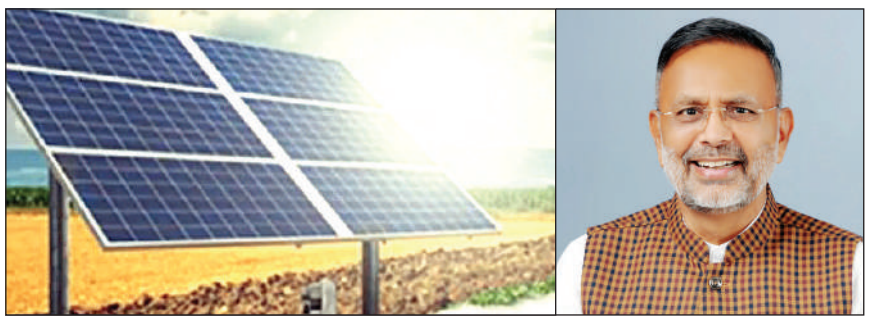

रखने से बैटरी स्टोरेज परियोजनाओं को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा।

सोलर मैन्यूफैक्चरिंग : सोलर ग्लास विनिर्माण में उपयोग होने वाले सोडियम एंटीमानेट के आयात पर कस्टम ड्यूटी में छूट से सौर ऊर्जा उपकरणों की उत्पादन लागत कम होगी।

परमाणु ऊर्जा : न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट्स के लिए जरूरी वस्तुओं के आयात पर कस्टम ड्यूटी छूट को वर्ष 2035 तक बढ़ाने से परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना में तेजी आएगी।

स्वास्थ्य के लिए बड़ी राहत : ऊर्जा मंत्री ने बजट के मानवीय पहलुओं की सराहना करते हुए कहा कि वित्त मंत्री ने हर वर्ग को राहत दी है।

आयुर्वेद और अनुसंधान : तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान और एमएसएमई (MSME) सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का कोष देश के विकास को नई दिशा देगा।

आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर : हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर और भारत को ग्लोबल डेटा सेंटर के रूप में विकसित करना भविष्य के आधुनिक भारत की पहचान बनेगा।

'यह बजट केवल वित्तीय आंकड़ा नहीं है, बल्कि देश के ऊर्जा क्षेत्र को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाने वाला ऊर्जावान रोडमैप है। इससे राजस्थान जैसे ऊर्जा प्रधान राज्य को विशेष लाभ होगा।'

— हीरालाल नागर, ऊर्जा मंत्री

राजस्थान के साथ 'सौतेला' व्यवहार किया : गहलोत

जयपुर (विशेष संवाददाता)। केंद्रीय बजट 2026-27 के पेश होने के बाद राजस्थान में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। जहां भाजपा नेता इसे 'विकसित भारत' का रोडमैप बता रहे हैं, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने इसे राजस्थान के हितों के खिलाफ और निराशाजनक करार दिया है।

डबल इंजन में भी राजस्थान की उपेक्षा : पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे 'Damp Squib' (ऊंची दुकान फीका पकवान) बताया। गहलोत ने कहा, 'देश के सबसे बड़े राज्य राजस्थान का बजट भाषण में नाम तक न होना प्रदेश के साथ हो रहे सौतेलेपन की पराकाष्ठा है। डबल इंजन सरकार होने के बावजूद राजस्थान को न तो नई रेलवे परियोजनाएं मिलीं और न ही मेट्रो प्रोजेक्ट के विस्तार की कोई घोषणा हुई।' उन्होंने आरोप लगाया कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और गरीबों को इस बजट से कोई राहत नहीं मिली है।

समाचार पत्र 'द पब्लिक हब' के समस्त संपादकीय एवं प्रकाशकीय विषयों पर स्वायत अधिकार सहित प्रकाशक, स्वामी व संपादक: दीपक गोस्वामी,
ए-101 यूनिक टावर, प्रताप नगर, जयपुर-302017, मो. 9828528666 मुद्रक: अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., जयपुर info@thepublichub.in, digital@thepublichub.in,
*पीआरबी एक्ट के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेदार।